हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 अंक : 136 प्रयागराज, गुरुवार 25 अगस्त , 2022 हिन्दी दैनिक पृष्ठ–4 मूल्य : 2 रुपया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नयी चंडीगढ़ में कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र का किया उद्घाटन

मोहाली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग की सहायता से न्यू चंडीगढ़ (मुल्लनपुर गरीबदास) में टाटा मेमोरियल सेंटर (होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र) को आज दोपहर देश को समर्पित किया। इसको बनाने में 660 करोड़ रुपए की लागत आई है। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने अस्पताल का दौराकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और डॉक्टरों से सीधी बातचीत कीद्ध पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित और मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ कुछ केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मौजूद थे। 30 दिसंबर 2013 को तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने इस कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र की आधारशिला रखी थी। शिवालिक की पहाड़ियों के पास करीब 9 साल में बना यह अस्पताल करीब 51 एकड़ जमीन पर बना है।

पंजाब में कैंसर रोगियों की संख्या में वशद्धि के कारण, डॉ मनमोहन सिंह के नेतश्त्व वाली कांग्रेस सरकार ने चंडीगढ़ के पास एक कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र बनाने का फैसला किया था। इस अस्पताल के निर्माण से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आधुनिक चिकित्सा बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिलेगा, जिससे ट्राइसिटी, पंजाब और पड़ोसी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों को विश्व स्तरीय कैंसर देखभाल और उपचार उपलब्ध होगा।

अस्पताल में 300 बेड की व्यवस्था की गई है। अस्पताल सभी प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। सर्जरी, रेडियो–थेरेपी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी– कीमोथेरेपी, इम्युनोथेरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा यहां उपलब्ध होगी। संगरूर में 100 बिस्तरों वाला अस्पताल इसकी शाखा के रूप में कार्य करेगा। प्रधानमंत्री के हेलीकॉप्टर को उतारने के लिए कार्यक्रम के पास दो हेलीपैड बनाए गए थे। अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद रैली के लिए आलीशान पंडाल बनाया गया, जहां मेहमानों और दर्शकों की हर सुविधा का ख्याल रखा गया। ओमेक्स रानीमाजरा की ओर जाने वाली सड़क सहित मुल्लांपुर गरीबदास–माजरा 6 लेन सड़क को दुल्हन की तरह सजाया गया। सड़क पर लगे मिट्टी के ढेर को ट्रैक्टर–ट्राली से हटा दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी के आगमन को देखते हुए पंजाब पुलिस की ओर से सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे। इलाके में तीन हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी और अर्धसैनिक बल तैनात किया गया था. प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था तैनात की गई थी। इसके अलावा बुलेट प्रूफ वाहन, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड की व्यवस्था की गई थी।

बिहार में राजद नेताओं के परिसरों पर सीबीआई का छापा

पटना। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने केंद्रीय रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद के कार्यकाल के दौरान हुए भूखंड के बदले नौकरी संबंधी कथित घोटाले को लेकर बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कई नेताओं के परिसरों पर बुधवार को सुबह छापेमारी शुरू की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह छापेमारी ऐसे समय में की जा रही है, जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्य विधानसभा में विश्वास मत हासिल करना है। कुमार ने हाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ नाता तोड़कर राजद के साथ हाथ मिलाया है। उन्होंने बताया कि विधान परिषद सदस्य सुनील सिंह, राज्य सभा के सदस्यों अशफाक करीम एवं फैयाज अहमद और विधान परिषद के पूर्व सदस्य सुबोध राय समेत राजद के कई वरिष्ठ नेताओं के परिसरों में छापे मारे जा रहे हैं। प्रसाद के निकट सहयोगी समझे जाने वाले अनिल कुमार सिंह ने पटना स्थित अपने आवास के गलियारे में संवाददाताओं से कहा, 'यह शतप्रतिशत जानबूझकर किया गया हैकृ इसका कोई मतलब नहीं है, कौन नहीं जानता है। ये लोग स्थानीय पुलिस को भी बताए बिना मेरे घर में घुस आए हैं। वे मुझसे एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के लिए कह रहे हैं।

2024 में बीजेपी को सत्ता से बेदखल करने का मन बना चुकी है जनता : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर बीजेपी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी सरकार में उत्तर प्रदेश अराजक प्रदेश बन गया है। यहां अपराधी बेलगाम है, प्रशासन नाकाम है और जनता से किए गए बीजेपी सरकार के वादे खोखले और जनता को धोखे में रखने वाले हैं। लोग असुरक्षा में जी रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने सत्ता में आते ही कानून–व्यवस्था सुधारने के लम्बे चौड़े बयान दिए थे। आज भी वह यह कहते नहीं थकते कि सरकार में बेटियां सड़क पर सुरक्षित निकल रही है। शुरू में उन्होंने रोमियों स्क्वाड और मिशन शक्ति के भी खूब विज्ञापन छपवाए थे, लेकिन हकीकत में उत्तर प्रदेश महिला उत्पीड़न एवं दुष्कर्म के अपराधों में पहले नम्बर पर है। उन्होंने कहा कि सड़कों पर सत्ता संरक्षित असामाजिक तत्व बेटियों के लिए काल बन रहे हैं। फतेहपुर में छेड़छाड़ से तंग आकर 18 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। अयोध्या में महिला साध्वी को महंत बनने से रोकने और जान से मारने की धमकी भाजपाई दे रहे है। मेरठ के रोहटा गांव में बेटे के सामने ही महिला की नृशंस हत्या कर दी गई। महिला

सशक्तीकरण का मजाक यह है कि रोज ही महिलाएं अपमानित और उत्पीड़न का शिकार हो रही है। कई भाजपा नेताओं के भी नाम दुष्कर्म के मामले में सामने आए हैं। मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटनाएं रोज घट रही है। क्या भाजपा सरकार का यही रामराज्य है? अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज पूरी तरह से अंधेर राज में बदल गया है। सच बात तो यह है कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था चौपट है। कानून व्यवस्था पर शासन–प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। अपराधी बेखौफ हैं और जनता भय और आतंक में जीने को मजबूर है। लोकसभा चुनाव 2024 का सबको इंतजार है। अब सब अपने मताधिकार से भाजपा की अहंकारी सरकार को सत्ता से बेदखल करने का पक्का मन बना चुके है।

शराब घोटाले में दिल्ली सीएम केजरीवाल अपने डिप्टी सीएम सिसोदिया को बचाने में लगे : अनुराग ठाकुर

हमीरपुर। केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को जिला मुख्यालय पर आम आदमी पार्टी पर जोरदार हमला किया। पत्रकारों से बातचीत के दौरान अनुराग ठाकुर ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए केन्द्र व भाजपा नेताओं के खिलाफ अनाप–शनाप बयानबाजी पर उतर आए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आप ने झूठ बोलने का रिकार्ड बनाया है, वहीं मुख्यमंत्री केजरीवाल शराब मुद्दे को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मोहल्ला क्लीनिक से शराब ठेका खोल दिए और शराब राज हो गया यह कैसा दौर है कि दोनों केजरीवाल मॉडल हैं। उन्होंने कहा कि शराब मुद्दे पर दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया मुख्य आरोपी हैं और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विभिन्न मुद्दों को लेकर बात करते हैं लेकिन शराब घोटाले में मनीष सिसोदिया को बचाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में केजरीवाल अपनी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री को भी क्लीन चिट देते थे, लेकिन आज वह सलाखों के पीछे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली

के मुख्यमंत्री को अपने भ्रष्ट मंत्रियों से इस्तीफा ले लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना विभाग के मुख्यमंत्री अपने मंत्रियों को निपटाने का काम कर रहे हैं। जब उनका ध्यान मनीष सिसोदिया द्वारा दिया गया बयान कि शराब के ठेकों के मामले को बंद करवाने के नाम पर भाजपा में आने का न्यौता मिल रहा तो उन्होंने इस ब्यान पर पलटवार करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता झूठ बोलने में रिकार्ड बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि शराब कांड में घिरने के बाद अब मनीष सिसोदिया एक के बाद दूसरा झूठ बोल रहे हैं, लेकिन असली मुद्दे पर बात करने से गुरेज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आप की सरकार आबकारी नीति से जुड़े" कथित भ्रष्टाचार के मामले से भटकाने का प्रयास कर रही है। अनुराग ने इस दौरान अरविंद केजरीवाल व मनीष सिसोदिया के खिलाफ आबकारी लाइसेंस शुल्क के नवीनीकरण की फीस न बढ़ाकर ठेकेदारों को करोड़ों रुपए का लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया।

कोविड-19 के उपराधीन मामलों की संख्या कम होकर 96,442 हुई

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 10,649 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,43,68,195 हो गई, जबकि उपचाराधीन मामलों की संख्या कम होकर 96,442 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 36 और लोगों की मौत होने के बाद मश्तक संख्या बढ़कर 5,27,452 हो गई। इन 36 मामलों में वे चार लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनरूमिलान करते हुए केरल ने संक्रमण से जान गंवाने वालों की सूची में डाले हैं। देश में कोविड–19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 96,442 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.22 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 64 मामलों की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.59 प्रतिशत है। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

पंजाब चुनाव के लिए दिल्ली सरकार ने आबकारी नीति पर सिफारिशों को नजरअंदाज किया : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) को पंजाब विधानसभा चुनाव में ''मोटे माल'' की जरूरत थी, इसलिए दिल्ली सरकार ने आबकारी नीति पर बनाई गई एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को नजरअंदाज किया। भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि विशेषज्ञ समिति ने आबकारी नीति में शराब की थोक बिक्री का काम निजी हाथों में ना देने के बजाय सरकार के ही हाथों में रखे जाने की सिफारिश की थी ताकि उसके राजस्व में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि समिति ने यह भी सिफारिश की थी कि शराब की खुदरा ब्रिकी का काम बड़ी कंपनियों को ना देकर 'लॉटरी' प्रणाली के माध्यम से व्यक्ति विशेष को दिया जाए। पात्रा ने आरोप लगाया कि लेकिन आप सरकार ने इन सिफारिशों को नजरअंदाज किया और थोक बिक्री का काम बड़ी निजी कंपनियों के हाथों में सौंप दिया, वह

भी बगैर किसी नीलामी या सार्वजनिक नोटिस के। उन्होंने आरोप लगाया, ''ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि पंजाब के चुनाव के समय मोटे माल की आवश्यकता थी। जिसने 'मोटा माल' दियाकृ रिपोर्ट को दरकिनार कर उसे शराब का ठेका सौंप दिया गया।''भाजपा प्रवक्ता ने दावा कि आबकारी नीति में हुए कथित भ्रष्टाचार के मामले में फंसे दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया बच नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा, ''सिसोदिया जी आपने भ्रष्टाचार किया है, इसका सबूत मौजूद है, जांच हो रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री सिसोदिया आरोपों का जवाब देने की बजाय ''इधर–उधर'' की बातें कर रहे हैं और मामले को भटकाने का प्रयास कर रहे हैं।पात्रा ने केजरीवाल को कथित शराब घोटाले का ''सरगना'' करार दिया और दावा किया कि उन्हें इस भ्रष्टाचार की जानकारी थी। उन्होंने कहा, ''इसलिए इससे संबंधित फाइलों पर वह हस्ताक्षर नहीं करते थे। वह संयुक्त सचिव और अतिरिक्त सचिव के हस्ताक्षर से संबंधित फाइलों को उपराज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजते थे। पात्रा ने कहा, ''जिस तरह की बौखलाहट आम आदमी पार्टी में विगत कुछ दिनों से देखने को मिल रही है, इससे किसी तरह का संशय नहीं है कि मनीष सिसोदिया को लेकर आम आदमी पार्टी घिरी नजर आ रही है।

पुल से 10 फिट गहरी खाई में गिरी बारात से लौट रही कार

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के ग्रामसभा गौरैयाडीह में आई बारात वापस लौटते समय सतहरिया के करीब पुल की रेलिंग तोड़ते हुए बुधवार को खाई में जा गिरी। जिससे दूल्हे के भाई सहित दो लोगो की घटना स्थल पर ही मौत हो गई और कार सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। सभी घायलों का प्राथमिक इलाज सीएचसी सतहरिया में करने के बाद बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना मंगलवार की रात करीब 12 बजे की है। पुलिस के अनुसार जिले में मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गौरैयाडीह में मुन्ना राईन के यहां काली कुत्ती जौनपुर से बारात आई थी। बारात वापस लौटते समय एक कार में दूल्हे के भाई शकलैन शिद्दीकी समेत पांच लोग जौनपुर जाने के लिए रवाना हुए। जैसे ही जौनपुर रायबरेली हाईवे पर सतहरिया के करीब कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग को तोड़ते हुए 10 फिट गहरी खाई मे जाकर पलट गई। चीख पुकार सुनकर स्थानीय लोग वहां पहुंचे और कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सूचना मिलने पर

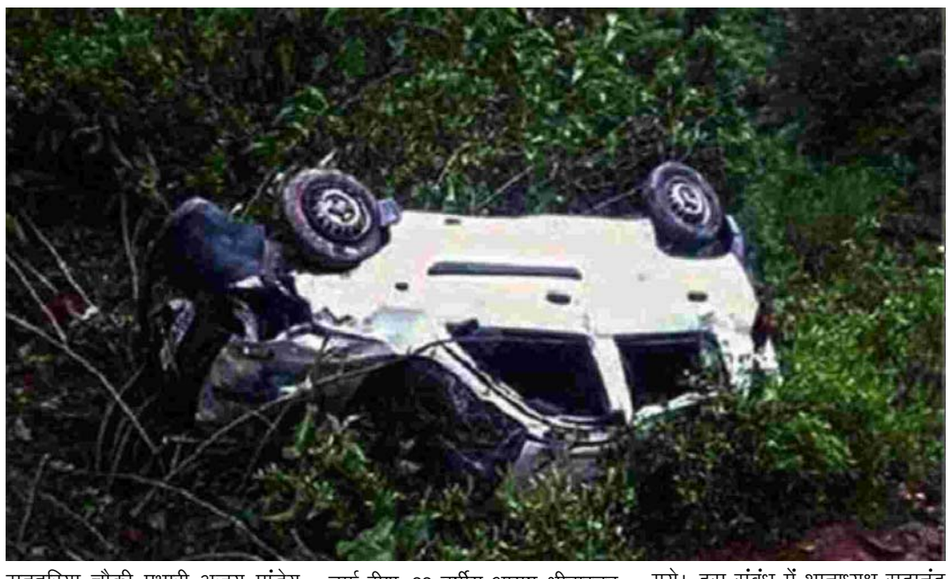

सतहरिया चौकी प्रभारी अजय पांडेय भी मौके पर पहुंच गये। इस हादसे में जौनपुर शहर के ओलंदगंज निवासी कार सवार दूल्हे के भाई 28 वर्षीय शकलैन शिद्दीकी और 23 वर्षीय सर्वजीत उर्फ राजा की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, कार मे सवार 23 वर्षीय कमलेश रावत, 24 वर्षीय आदित्य उर्फ रीशू, 22 वर्षीय आयुष श्रीवास्तव, निवासीगण काली कुत्ती जौनपुर गंभीर रूप से घायल हो गये। सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी बारात में आए अन्य लोगों व लड़की के पक्ष को हुई तो उनके घर में कोहराम मच गया। दोनों पक्ष घटनास्थल पर पहुंचे गये। इस संबंध में थानाध्यक्ष सदानंद राय ने बताया कि बारात में आई कार चालक से बारातियों की कुछ कहासुनी हो गई थी। जिसके चलते कार चालक कार को छोड़कर फरार हो गया था। मश्तक में से कोई एक युवक कार को चलाकर जौनपुर जा रहे थे और रास्ते में हादसे के शिकार हो गये।

कांग्रेस को लगा बड़ा झटका, आनंद शर्मा के बाद अब जयवीर शेरगिल ने राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेजे पत्र में लिखा कि मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि निर्णय लेना अब जनता और देश के हितों के लिए नहीं है, बल्कि यह उन लोगों के स्वार्थी हितों से प्रभावित है, जो चाटुकारिता में लिप्त हैं और लगातार जमीनी हकीकत की अनदेखी कर रहे हैं। शेरगिल का इस्तीफा ऐसे समय में आया है, जब एक के बाद एक कई युवा कांग्रेस नेताओं ने पार्टी को अलविदा कह दिया है। बता दें कि, इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने हिमाचल प्रदेश चुनाव के लिए गठित संचालन समिति से इस्तीफा दिया था। उन्होंने सोनिया गांधी को भेजे अपने त्याग पत्र में अपनी अनदेखी का आरोप लगाया था। पत्र में शर्मा ने कहा है कि वह अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं कर सकते और इसलिए इस्तीफा दे रहे हैं। हालांकि वह राज्य में पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार जारी रखेंगे।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष के पद से विजय कुमार सिन्हा ने दिया इस्तीफा

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने सत्तारूढ़ महागठबंधन द्वारा उनके खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर नाराजगी जताने के बाद बुधवार को सदन में इस्तीफा देने की घोषणा की। महागठबंधन सरकार के शक्ति परीक्षण के लिए बुलाए गए विधानसभा के विशेष सत्र के शुरू होते ही सिन्हा ने अविश्वास प्रस्ताव पर अपना जवाब देने के बाद अपराह्न दो बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। इससे पहले, उन्होंने विधानसभा उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी के बजाय सदन की आगे की कार्रवाई वरिष्ठ सदस्य नरेंद्र नारायण यादव द्वारा संचालित किए जाने की घोषणा करते हुए कहा, बहुमत का सम्मान करते हुए मैं अपने पद से इस्तीफा देता हूं। हजारी के बजाय नरेंद्र नारायण यादव द्वारा आगे की कार्रवाई संचालित किए जाने की घोषणा का विरोध करते हुए संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने अपनी सीट से उठकर कहा, यह नियमों के खिलाफ है। अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष कार्यवाही का संचालन करते हैं। इस बीच, हंगामे के बीच वह जल्दबाजी में सदन से बाहर निकले और भगवा अंगोछा पहने भाजपा के विधायक भी 'भारत माता की जयश और 'जय श्री रामश के नारे लगाते हुए उनके पीछे बाहर निकल आए। इससे पहले, सिन्हा ने करीब 20 मिनट का भाषण दिया और दावा किया कि वह सरकार में अचानक बदलाव के बाद 'स्वयं इस्तीफा देना चाहते थे, लेकिन जब उन्हें पता चला कि उनके खिलाफ एक अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है, तो उन्होंने ऐसा नहीं करने का फैसला किया।

सम्पादकीय

नवनिर्माण का मंत्र आत्मनिर्भरता

भारत के नीति–निर्माताओं के लिए आत्मनिर्भरता कोई नया शब्द नहीं है। आजादी के बाद जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में योजनागत विकास के नाम पर जो नीति बनी, उसे भी आत्मनिर्भर भारत कहा गया था, लेकिन जो कार्यनीति अपनायी गयी, जिसे अर्थशास्त्री महालनोबिस कार्यनीति के नाम से पुकारते हैं, उसमें भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़े और मूलभूत उद्योगों की स्थापना, बड़े बांधों के निर्माण समेत देश को एक मजबूत औद्योगिक ढांचा देने की बात कही गयी थी। इसे आत्मनिर्भरता की कार्यनीति कहा गया, पर प्रारंभिक रूप से इसके कारण विदेशों पर निर्भरता इतनी बढ़ गयी कि 1965 के भारत–पाक युद्ध के बाद हमें तीन वर्षों तक योजना की छुट्टी करनी पड़ी, क्योंकि योजना को कार्यान्वित करने के लिए जरूरी आर्थिक संसाधन देश के पास नहीं थे। देश में औद्योगीकरण की जिम्मेदारी सार्वजनिक क्षेत्र को सौंपी गयी और कहा गया कि विकास का एकमात्र यही सही रास्ता है तथा निजी क्षेत्र या निजी उद्यमिता के माध्यम से यह इसलिए नहीं हो सकता, क्योंकि निजी क्षेत्र के पास न तो संसाधन हैं, न ही जोखिम लेने की क्षमता व इच्छाशक्ति और न ही दीर्घकालीन दृष्टि।

धीरे–धीरे अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र का बोलबाला हो गया और निजी उद्यम दोयम दर्जे पर आ गया। कुछ वस्तुओं के उत्पादन के लिए निजी उद्यम को अनुमति तो मिली, लेकिन उसमें भी लाइसेंस व्यवस्था लागू कर दी गयी। इनके लिए कच्चे माल हेतु कोटा व्यवस्था लागू हुई। अधिक उत्पादन करने पर दंड का प्रावधान भी किया गया। स्वाभाविक तौर पर सरकारी क्षेत्र के दबदबे और निजी क्षेत्र का दम घोटती आर्थिक नीतियों से कायम व्यवस्था का असर यह हुआ कि देश में जो भी उत्पादन होता था, वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक नहीं होता था। इसका कारण था कि निजी क्षेत्र के लिए प्रौद्योगिकी विकास, नये मॉडल बनाने और कुशलता बढ़ाने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं था। ऐसे में संभव था कि लोग अच्छे उत्पाद सस्ते दामों पर विदेशों से आयात कर लें। तब निजी और सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा उत्पादित वस्तुओं के लिए बाजार बाधित हो जाता। इस संभावना को समाप्त करने के लिए विदेशी वस्तुओं के आयात पर कई तरह की रोक जरूरी थी। एक ओर अनेक वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाया गया, जिसे मात्रात्मक नियंत्रण कहते हैं, तो दूसरी ओर जिन वस्तुओं के लिए आयात की अनुमति थी, उन पर बहुत आयात शुल्क लगाया गया, ताकि लोग आयात से हतोत्साहित हो जाएं। चूंकि आयात नियंत्रित हो गया, तो देश में विदेशी मुद्रा की मांग भी नियंत्रित हो गयी। ऐसे में सरकार आसानी से विनिमय दर को अपनी मर्जी के अनुसार तय कर सकती थी। वर्ष 1964 तक डॉलर की विनिमय दर केवल 4।16 रुपये प्रति डॉलर थी, 1966 और 1967 में रुपये का मूल्य ह्रास क्रमशः 6।36 और 7।50 रुपये प्रति डॉलर तक हो गया।

बांग्लादेश, लंका, पाकिस्तान के साथ चीन का चतुर्भुज व्यापार-सैन्य सहयोग लक्ष्य

भारत के विरोध के बावजूद, पिछले हफ्ते चीनी निर्मित हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी जासूस जहाज युआनवामग–5 को डॉक करने के श्रीलंका के फैसले के बारे में आश्चर्य की कोई बात नहीं है। श्रीलंका के राष्ट्रपति के देर से दिए गए बयान में कि चीन को सैन्य उद्देश्यों के लिए बंदरगाह का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, भारत की चिंता को अस्थायी रूप से कम करने का इरादा हो सकता है। इस तरह के वादे का कोई कानूनी या तार्किक आधार नहीं है। श्रीलंका के गहरे समुद्र में हंबनटोटा बंदरगाह, जिसे चीन ने अपने वैश्विक बुनियादी ढांचा कार्यक्रम (बीआरआई) के हिस्से के रूप में एक अरब डॉलर से अधिक की लागत से बनाया है, तकनीकी रूप से चीन का है। 2017 में एक समझौते के तहत, श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी ने हंबनटोटा इंटरनेशनल पोर्टग्रुप (एचआईपीजी) बनाया, जो चीन के मर्चेंट पोर्ट्स द्वारा एचआईपीजी में 85 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के बाद चीनी कंपनी के 1.12 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की सुविधा के लिए एक संयुक्त उद्यम बन गया। इस प्रकार, एचआईपीजी बहुसंख्यक चीनी स्वामित्व में है। चीन बंदरगाह का इस्तेमाल अपनी मर्जी से कर सकता है। भविष्य में हंबनटोटा में ऐसे और चीनी युद्धपोतों के डॉक करने की उम्मीद है। इसी तरह, चीन ने चटगांव और पायराडीपसी पोर्ट परियोजनाओं में बांग्लादेश में बड़े रणनीतिक निवेश किए हैं। चीन कुछ अरब डॉलर की अनुमानित लागत वाली पेराडीपसी पोर्ट परियोजना का वित्तपोषण और निर्माण कर रहा है। बंदरगाह बांग्लादेश में तीसरा सबसे बड़ा है और 2016 में काम करना शुरू कर दिया था। चटगांव बंदरगाह का विकास चीन और बांग्लादेश के बीच समान शर्तों पर आधारित है। दोनों देशों ने श्संयुक्तआर्थिक विकासश के लिए एक पारस्परिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। चीन ने पेराडीप–सीपोर्ट के विस्तारऔर विकास में विशेष रुचि ली। दो चीनी फर्मों–चाइना हार्बर इंजीनियरिंग कंपनी और चाइना स्टेट कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग कंपनी– ने बंदरगाह के मुख्य बुनियादी ढांचे और रिपेरियन पहलुओं के विकास के लिए 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर के सौदे किए, जिसमें आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि के लिए सेवाएं शामिल हैं। यह मानने का कोई कारण नहीं है कि चीन अपने युद्धपोतों को लंगर डालने के लिए इन बंदरगाहों का उपयोग न करे। कई लोगों का मानना है कि बांग्लादेश में दो बड़ी बंदरगाह परियोजनाओं को विकसित करने में चीन की रुचि के पीछे अंततरू उन पर संप्रभु नियंत्रण का प्रयोग करना है जैसा कि श्रीलंका में हंबनटोटा बंदरगाह के मामले में हुआ है। हाल ही में, बांग्लादेश ने चटगांव में पाकिस्तानी नौसेना के लिए चीन निर्मित युद्धपोत के डॉकिंग की अनुमति नहीं दी थी। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बांग्लादेश भविष्य में चीन के अपने युद्धपोतों पर भी ऐसा ही रुख अपनाएगा। ढाका में, अधिकारियों को सावधान कहा जाता है कि चीन द्वारा चटगांव और पायरा बंदरगाहों पर अधिक नियंत्रण शुरू करने में अधिक समय नहीं लग सकता है। बांग्लादेश जल्द ही चीन के कर्ज परिवर्तन के प्रयास का शिकार हो सकता है। चीन बांग्लादेश को पाकिस्तान के करीब लाने की कोशिश कर रहा है, जहां वह ग्वादर में एक बंदरगाह परिसर का निर्माण कर रहा है, जिससे बांग्लादेश को मध्य एशियाई देशों के साथ व्यापार करने में आसानी होगी। चीन के बहु–अरब डॉलर के ग्वादर बंदरगाह परिसर, जिसे पोर्ट–पार्क–सिटी के रूप में बिल किया गया, हंबनटोटा, चटगांव और पेरा बंदरगाहों के साथ, चीन के स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स के हिस्से के रूप में देखा जाता है जो चीनी सेना के नेटवर्क को संदर्भित करता है और संचार की समुद्री लाइनों के साथ वाणिज्यिक सुविधाएं और संबंध –चीन की मुख्य भूमि से पोर्ट सूडान, अफ्रीका के हॉर्न तक। समुद्र की रेखा एंकई प्रमुख समुद्री चोक पॉइंट्स जैसे मांडेब, मलक्का, होर्मुज और लोम्बोक के जलडमरू मध्य से होकर गुजरती हैं। बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान, मालदीव और सोमालिया में अन्य रणनीतिक समुद्री केंद्रों के रूप में। ग्वादर बंदरगाह को सीपीईसी (चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा) परियोजनाओं की प्रमुख सफलताओं में से एक के रूप में घोषित किया गया है। आलोचक ग्वादर बंदरगाह परिसर को किस हिस्से के रूप में देखते हैं चीन की श्कर्ज–जालश नीति में अरबों डॉलर के सॉफ्टलोन, एक पाकिस्तानी शहर में चीनी एन्क्लेव की स्थापना और एक ग्रेकानूनी क्षेत्र में काम कर रहे चीनी निजी सुरक्षा फर्म। हंबनटोटा के मामले में, ग्वादर की असली मास्टर्स इस्लामाबाद नहीं बीजिंग में बैठते हैं। कागज पर, चीन के श्चतुर्भुजश सहयोग का उद्देश्य बांग्लादेश और श्रीलंका को पाकिस्तान के करीब लाना और उन्हें ग्वादर बंदरगाह का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना है ताकि वे चाय और रेडीमेड कपड़ों जैसे अपने माल का निर्यात करने के लिए मध्य एशियाई गणराज्यों तक पहुंच सकें। हालांकि, चीन का अंतिम उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी मजबूत नौसैनिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए लिंक का उपयोग करना प्रतीत होता है। हाल ही में अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की एक रिपोर्टमें कहा गया है कि चीन के पास लगभग 355 युद्धपोतों और गिनती के साथ दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री बल है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मीनेवी अगले चार वर्षों के भीतर अपनी इन्वेंट्री को 420 जहाजों तक विस्तारित करने के लिए तैयार है। विशाल बेड़े में प्रमुख सतही लड़ाके, पनडुब्बियां, विमानवाहक, समुद्र में जाने वाले उभयचर जहाज, खान युद्धक जहाज और बेड़े सहायक शामिल हैं। श्इस आंकड़े में 85 गश्ती लड़ाके और शिल्प शामिल नहीं हैं जो जहाज–रोधी क्रूज ले जाते हैं। बीजिंग की विदेशी उपस्थिति का समर्थन करने के लिए सुविधाओं की तलाश कर रहा है। बांग्लादेश में गहरे बंदरगाहों के निर्माण और पुनर्गठन में चीन की दिलचस्पी का उद्देश्य थाईलैंड, म्यांमार, बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान और ईरान के क्षेत्र को नियंत्रित करना है। चीन की दीर्घकालिक राष्ट्रीय सुरक्षा प्राथमिकताओं में से एक यह है कि वह अपने विदेशी हितों के साथ–साथ संचार की अपनी वैश्विक समुद्री लाइनों की सुरक्षा को बनाए रखने में सक्षम हो। **– नंतू बनर्जी**

आज का राशिफल

मेष :– कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

वृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्क :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

तुला :– समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृश्चिक :– स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनु :– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्मित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन :– महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

नेपाल को लेकर चीन की बौखलाहट

अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की स्पीकर नैंसी पेलोसी की हाल में हुई ताइवान यात्रा का चीन की आंतरिक शांति और उसकी वैश्विक छवि पर बहुत महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। ताइवान के मुद्दे को लेकर चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अमेरिकी विरोध और राष्ट्रवादी भावनाओं से भरे हुए हैं। इस स्थिति में चीन ने कई देशों से 'एक चीन नीति' (वन चाइना पॉलिसी) का समर्थन करने का आग्रह किया है। इस नीति के अंतर्गत चीन ताइवान का एक अभिन्न अंग माना जाता है। चीन के विदेश मंत्रालय ने लगातार यह कहा है कि ताइवान जलडमरूमध्य चीन का क्षेत्र है और ताइवान की अखंडता का मुद्दा चीन की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उल्लेखनीय है कि चीन अन्य देशों की तुलना में अपने निकटतम पड़ोसियों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस बात का उदाहरण पड़ोसी देश नेपाल में चीनी राजदूत के बयान से दिखाई देता है। चूंकि तिब्बत चीन का हिस्सा है और नेपाल के साथ उसकी सीमा जुड़ी हुई है, तो स्वाभाविक रूप से चीन के लिए नेपाल सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। हाउस स्पीकर पेलोसी की ताइवान यात्रा के तुरंत बाद नेपाल में चीन की राजदूत हो यांकी ने एक वक्तव्य में कहा कि चीन नेपाल की श्वन चाइना नीतिश के प्रति प्रतिबद्धता का आदर करता है और यह चीन–नेपाल संबंधों की नींव है। बात यहीं खत्म नहीं हुई। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने आनन–फानन में नेपाल के विदेश मंत्री नारायण प्रसाद खडका का एक ग्यारह सदस्यीय प्रतिनधि मंडल के साथ नौ अगस्त को उनकी तीन दिवसीय चीन यात्रा पर स्वागत किया। खडका ने चीन यात्रा के दौरान श्वन चाइना नीतिश के प्रति नेपाल की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस दौरे में चीन ने नेपाल को 800 मिलियन युआन के अनुदान की घोषणा भी की। खडका की यात्रा चीन के लिए तिब्बत में शांति बनाये रखने हेतु महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि नेपाल में लगभग 30 हजार तिब्बती शरणार्थी रहते हैं, जो कई अवसरों पर तिब्बत की आजादी को लेकर आंदोलन करते रहे हैं। वर्ष 2008 में बीजिंग में आयोजित ओलिंपिक खेलों के दौरान तिब्बत में हुए आंदोलन का प्रभाव नेपाल में भी देखा गया था। नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री पुष्प कमल प्रचंड ने चीन के दबाव में आंदोलनकारियों के खिलाफ कड़े कदम उठाये थे, जिसकी वजह से अमेरिका, यूरोपीय देश एवं विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं ने नेपाल की आलोचना की थी। इन संस्थाओं में एमनेस्टी इंटरनेशनल एवं ह्यूमन राइट्स वॉच भी शामिल थे। नेपाल को लेकर चीन पहले से ही परेशान नजर आता रहा है। इसी वर्ष फरवरी में नेपाली संसद द्वारा मिलेनियम चौलेंज कॉरपोरेशन (एमसीसी) से संबंधित प्रस्ताव के पारित होने के बाद चीन सरकार की सक्रियता बढ़ गयी है। मिलेनियम चौलेंज कॉरपोरेशन अमेरिका की एक अनुदान शाखा है, जो जरूरतमंद देशों को विकास कार्यों के लिए बड़ी धनराशि मुहैया कराती है। वर्ष 2017 में अमेरिका ने एमसीसी के तहत नेपाल को पांच सौ मिलियन अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की थी, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी ओली ने चीन से नजदीकियों के चलते अमेरिकी अनुदान में खास दिलचस्पी नहीं दिखायी थी। चूंकि अमेरिकी अनुदान को चीन के बेल्ट–रोड इनिशिएटिव (बीआरआइ) के विरोध में देखा जा रहा था, सो नेपाल की कम्युनिस्ट सरकार एमसीसी के मसले पर शांत रही। इतना ही नहीं, एमसीसी को अमेरिका की हिंद–प्रशांत नीति का भी हिस्सा बताया गया, जिसके कारण नेपाल में उग्र आंदोलन भी हुए। लेकिन जुलाई, 2021 में कम्युनिस्ट सरकार के गिरते ही नेपाली कांग्रेस सरकार ने एमसीसी के प्रस्ताव को संसद में पारित करा लिया। पिछले आठ महीनों में अमेरिका के कई उच्च अधिकारियों एवं प्रतिनिधि मंडलों ने नेपाल का दौरा किया है। इससे चीन की घबराहट स्पष्ट दिख रही है। नेपाल की ऐतिहासिकता 1959 में तिब्बत में हुए खाम्पा विद्रोह के संदर्भ में भी देखी जाती है, जिसमें अमेरिका ने नेपाल के रास्ते तिब्बती विद्रोहियों को मदद पहुंचाया था। दूसरी ओर, भारत और नेपाल के संबंधों में बढ़ती प्रगाढ़ता भी चीन के लिए चुनौती का सबब बनी हुई है। भारत ने श्नेबरहुड फर्स्ट' (पड़ोसी पहले) नीति के तहत नेपाल के साथ संबंध सुधारने की दिशा में हरसंभव प्रयास किया है। इन प्रयासों का नेपाल में भी स्वागत हुआ है। पिछले सात दशकों में भारत ने साफ किया है कि भारत की नेपाल नीति आपसी सहयोग एवं परस्पर विकास की नीति पर आधारित है, जिसका एक बड़ा हिस्सा जनसंपर्क पर स्थिर है। लेकिन भारत–नेपाल संबंधों में आकस्मिक मन–मुटाव से उपजे खालीपन को चीन ने अपने फायदे हेतु उपयोग करना चाहा है। इस परिप्रेक्ष्य में चीन के लिए नेपाल हमेशा से एक मुश्किल कड़ी रहा है। मौजूदा स्थिति में चीन यह जरूर चाहेगा कि नेपाल श्वन चीन नीतिश की प्रतिबद्धता को मजबूत रखे। चीन यह भी जानता है कि व्यापार, निवेश एवं सुरक्षा के लिए नेपाल में एक मैत्रीपूर्ण कम्युनिस्ट सरकार की जरूरत है। ऐसे में चीन 20 नवंबर को नेपाल में होने वाले संसदीय चुनावों में कम्युनिस्ट पार्टियों के सहयोग या नेतृत्व वाली सरकार की उम्मीद कर रहा है। **– ऋषि गुप्ता**

आखिर कौन हैं ये गालीबाज लोग, कहां से आते हैं?

दिल्ली की एक हाई राइज सोसायटी में सुरक्षा गार्डों को गालियां देने और प्रांत के नाम पर अपमानजनक प्रलाप करने के कारण एक महिला चर्चा में है। उसका वीडियो जमकर वायरल हो रहा है और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में है। वैसे तो गाली–गलौज भारतीय समाज की ज्यादातर भाषाओं में संवाद का एक तरह से अविभाज्य अंग बन ही चुका है। इनका विवरण ही नहीं, गालियों की सामाजिक उपयोगिता, उनका मनोवैज्ञानिक आयाम तथा महिमा मंडन अक्सर होली या शादी–ब्याह की परम्पराओं की जानकारी देने वाले लेखों में मिल जाता है। सड़कों एवं गली–मुहल्लों से लेकर सभाओं व डिबेटों में तक ज्यादातर विवादों एवं बहसों में शंकराचार्य–मंडन मिश्र की शास्त्रार्थ परम्परा का निर्वाह न कर उसका आगाज या समापन गालियों से होता है, जो अक्सर शारीरिक टकरावों का रूप भी ले लेता है। इस (अ)भद्र महिला का मसला कई कारणों से चर्चित हो रहा है। चूंकि गम्भीर स्वरूप सघन अनुभूति से सराबोर एवं क्षुब्ध भाव बोध वाली ज्यादातर भारतीय गालियां नारी केन्द्रित होती हैंय अतरू मान लिया गया है कि गालियां देने का सर्वाधिकार पुरुषों के पास सुरक्षित है। इसलिये एक महिला द्वारा उनका धाराप्रवाह प्रयोग, वह भी पुरुषों के प्रति सम्बोधित किया जाना सभी को चौंका रहा है। दूसरे, समाज इसलिये भी आश्चर्यचकित है कि वह एक बेहद पढ़ी–लिखी और सफल वकील हैं जो ऐसे किये के अंजाम से पूरी तरह वाकिफ होंगी ही। उनकी पढ़ाई भी तो कानून की ही है। तीसरे, जेब में रुपये भरकर उन्हें खनखनाते हुए समाज व अपने प्रोफेशन में विचरण करने के बावजूद वे गिरफ्तार कर ली गयीं– यह सबको दंग कर देने वाली बात है। कानूनी दांव–पेंच और पैसों के असर को जानने वाली मोहतरमा कहां नाकाम रह गयीं– यह देखना होगाय क्योंकि ज्यादातर मामलों में तो यही देखा गया है कि पैसा व रसूख हो तो अन्यायकर्ता जीतता है तथा पीड़ित पक्ष परास्त होता है। बहरहाल, देश–विदेश के शानदार शैक्षिक संस्थानों से ऊंची डिग्रियां बटोरकर एक बेहद पेशेवर विधि परामर्शदाता समूह की एसोसिएट का सामाजिक तौर पर खुद का ऐसा प्रस्तुतीकरण है, तो इसकी पड़ताल भी बेहद जरूरी हो जाती है कि आखिर वे किस समाज की देन हैं और किस जीवन शैली का उत्पाद हैं? आखिर कौन हैं ये लोग, कहां से आते हैं? दरअसल, यह महिला उसी वर्ग से आती हैं जिन्होंने आधुनिक युग के श्रेष्ठतम तत्वों में से स्वतंत्रता, लोकतंत्र, उच्च शिक्षा, वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास को तो अपना लिया लेकिन मध्य युग का श्रेष्ठता का भाव, जाति आधारित गैर बराबरी, अहंकार, प्रान्तवाद जैसे तत्वों को भी सीने से चिमटाया हुआ है। इस वर्ग ने मूलतरू खुद को जन साधारण के सरोकारों से नयी आर्थिक नीति के आगमन से ही काट लिया, जिसका पदार्पण भारत में 90 के दशक की शुरुआत में हुआ था। उद्योगों व कारोबारों के विस्तार व नवीनीकरण ने पढ़े–लिखे लोगों को नूतन अवसर दिये जिसका फायदा इस वर्ग ने भरपूर उठाया और भारत में नव धनाढ्य वर्ग का निर्माण किया। समाज में व्याप्त गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, असमानता के प्रति इस वर्ग के पास चिंता करने का कोई वक्त नहीं रहता। फटेहाली के लिये वे गरीबों को ही जिम्मेदार मानते हैं और एक हद तक उनका यह भी मानना है कि अपने हाल के लिये वे खुद जिम्मेदार हैं। उम्दा शिक्षा, बढ़िया नौकरी, अच्छा बैंक बैलेंस, मोटर–घर, फेवरेट डेस्टिनेशन्स के नियमित पर्यटन, पांच सितारा होटलों की पार्टियों में रमा हुआ यह समाज अब कोढ़ बन चुका है जो अपने ही देश के उन अधिसंख्य नागरिकों से नफरत करता है, जो उसके मुकाबले आर्थिक या सामाजिक दृष्टिकोण से बेचारे निचले पायदान पर हैं। पूंजीकरण एवं बेढब विकास से निर्मित इस वर्ग के लोगों के लिये ही देश के नामी चिंतक पुरुषोत्तम अग्रवाल ने कुछ अर्सा पहले फेसबुक पर एक शब्द दिया था– अर्बन इडियट्सश। भारत में कहें तो इस वर्ग का प्रादुर्भाव करीब सवा सौ वर्षों पहले हो चुका था, पर वह मध्य वर्ग कहलाता था। आधुनिक शिक्षा पद्धति से निर्मित यह वर्ग पहले तो सीमित था परन्तु जैसे–जैसे लोगों की जीवन शैली बेहतर होती गयी और निम्न वर्ग ने खेती–किसानी छोड़कर शहरों–कस्बों में बसना शुरू किया, इस वर्ग का विस्तार होता चला गया। बेहतर शिक्षा सुविधा के कारण उनकी अच्छी आजीविका होती है। फलतरू सम्पन्न घरों में होने वाले उनके ब्याह, खुद की नौकरी, ज्यादातर कामकाजी जीवन साथी एवं मां–बाप की सम्पत्ति मिलने से वे खुद भी धनपति हो जाते हैं। चूंकि नयी आर्थिक नीति से निजी क्षेत्र का बोलबाला हो गया, इसलिये यह वर्ग मानता है कि सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी भ्रष्ट, अयोग्य और क्षमताहीन होते हैं। अपने से ऊपर के वर्ग की कृपा पर आश्रित ये लोग उसी की तरह बनना चाहते हैं। इसके लिये आवश्यक होता है कि वह उसी के अनुरूप व्यवहार करे। निचले वर्गों को कामचोर, मक्कार मानने वाला यह वर्ग अपने से छोटे कर्मचारियों के साथ डांट–डपट, फटकार, गाली–गलौज, कड़ाईपूर्ण लहजे में बातचीत एवं कसकर काम कराने के सम्बन्धों में विश्वास रखता है। जिस मैडम का वीडियो वायरल हुआ है उस वर्ग के लोगों का इस तरह का व्यवहार हम आये दिन सोसायटियों के मुख्य द्वारों पर देख सकते हैं। गालियां हमेशा हैसियत तय करती हैं क्योंकि देने वाला अधिक शक्तिशाली और खाने वाला कमजोर ही होगा– चाहे वह आर्थिक दृष्टि से हो अथवा वर्ग–वर्ण की दृष्टि से। अपमान के साथ ही गालियां असमानता की सूचक होती हैं। यह एक संवेदनाशून्य समाज है जिसे कोरोना काल में सैकड़ों किलोमीटर की पैदल यात्रा करने वाले भूखे–प्यासे मजदूर द्रवित नहीं करते, जिनके लिये शाहीन बाग आंदोलन देशद्रोहियों और किसान आंदोलन खालिस्तानियों का जमावड़ा है तथा अपने हकों के लिये लड़ते आदिवासी माओवादी हैं। मानवाधिकारों को वे गैर जरूरी मानते हैं तथा उनके लिये भारत में टू मच डेमोक्रेसी है। पढ़–लिखकर भी ये जातिवाद व साम्प्रदायिकता फैलाते हैं। इनके लिये गरीबी और भूख की चर्चा श्आऊट ऑफ कांटेक्स्ट है। सूचना, रोजगार एवं शिक्षा के अधिकार पर बात करने से इन्हें परहेज है। जरूरतमन्दों को सहायता या सब्सिडी इन्हें रेवड़ियों के रूप में दिखलाई देती हैं और लोक कल्याणकारी अवधारणा के खिलाफ दुष्प्रचार करने के लिये इनके पास रोज का भरपूर इंटरनेट डाटा, ऊर्जा एवं समय है। कहना न होगा कि यह वर्ग सत्ताधारी दल का चहेता बच्चा है जो उनका काम आसान कर रहा है। सरकार के खिलाफ उठने वाली आवाज को दबाने में यह सरकारी सूचना तंत्र से बढ़कर काम करता है क्योंकि सत्ता के लिये यह भी एक आम राय है जिस पर अमल करना सरकार के अधिक मुफीद पड़ता है। फिर सरकारें जनता की आवाज दबाने के आरोप से भी बच जाती हैं। **– डॉ. दीपक पाचपोर**

बिहार में जंगल राज की वापसी

"बिहार में जो राजनैतिक 'खेला' पिछले दिनों यहां के मुख्यमन्त्री श्री नीतीश कुमार ने किया उसकी असलियत यही है कि उन्होंने एक बार फिर इस राज्य को 'जंगल राज' के हवाले करने का निर्णय सिर्फ खुद को पद पर बनाये रखने के लिए किया। अगर ऐसा न होता तो नीतीश बाबू उन्हीं लालू जी के साथ हाथ न मिलाते जिनकी राजनीति के विरुद्ध उन्होंने पहले समाजवादी नेता स्व. जार्ज फर्नांडीज के साथ समता पार्टी और बाद में उसका जनता दल(यू) में विलय किया और लालू की राष्ट्रीय जनता दल पार्टी के विरुद्ध बिहार में समानान्तर राजनैतिक विमर्श खड़ा किया। क्या अपने राजनैतिक जीवन के अन्तिम दौर में उनका यह समर्पण कहा जायेगा? यदि ऐसा है तो बिहार को उस जंगल राज से कैसे बचाया जा सक आदित्य चोपड़ारू बिहार में जो राजनैतिक श्खेलाश पिछले दिनों यहां के मुख्यमन्त्री श्री नीतीश कुमार ने किया उसकी असलियत यही है कि उन्होंने एक बार फिर इस राज्य को श्जंगल राजश के हवाले करने का निर्णय सिर्फ खुद को पद पर बनाये रखने के लिए किया। अगर ऐसा न होता तो नीतीश बाबू उन्हीं लालू जी के साथ हाथ न मिलाते जिनकी राजनीति के विरुद्ध उन्होंने पहले समाजवादी नेता स्व. जार्ज फर्नांडीज के साथ समता पार्टी और बाद में उसका जनता दल(यू) में विलय किया और लालू की राष्ट्रीय जनता दल पार्टी के विरुद्ध बिहार में समानान्तर राजनैतिक विमर्श खड़ा किया। क्या अपने राजनैतिक जीवन के अन्तिम दौर में उनका यह समर्पण कहा जायेगा? यदि ऐसा है तो बिहार को उस जंगल राज से कैसे बचाया जा सकता है जो श्रीमान लालू व उनकी पत्नी राबड़ी देवी के राज में जंगल राज का पर्याय माना जाने लगा था। आपराधिक माफिया व राजनैतिक गठजोड़ का बिहार में इतिहास बहुत पुराना नहीं है।इस सैद्धान्तिक लड़ाई को विशुद्ध जातिगत व सम्प्रदाय गत आधार देने में लालू प्रसाद की पार्टी की प्रमुख भूमिका रही जिसका मुकाबला नीतीश बाबू ने भाजपा के साथ मिल कर बखूबी किया। परन्तु इस लड़ाई में राज्य की केन्द्रीय राजनैतिक पार्टी कांग्रेस की भूमिका हांशिये पर खिसकती चली गई जिसकी वजह से बिहार में जाति युद्ध 90 के दशक तक अपने उग्र व चरम स्वरूप में पहुंचा। वास्तव में यह बिहार की राजनीति का पतन काल कहा जायेगा क्योंकि इसमें सिद्धान्तों की जगह व्यक्तियों ने ले ली और उन्होंने अपने–अपने जातिगत कबीलों के आधार पर बिहार के लोगों को लोकतान्त्रिक दौर से बाहर लाकर कबायली दौर में पटक दिया। अपराधी माफिया व राजनीतिज्ञों के गठबन्धन का यह स्वर्णिम काल भी कहा जायेगा। पिछले 2020 के विधानसभा चुनाव में नीतीश बाबू की पार्टी जनता दल(यू) भाजपा की छोटी बहिन की तरह उभरी । इसकी असली वजह यह थी कि लगातार पिछले तीन चुनावों से मुख्यमन्त्री रहते नीतीश बाबू की शासनकाल की खामियां उजागर होने लगी थीं जिन्हें ढांपने का काम देश के प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं इन चुनावों में प्रचार की कमान अपने हाथ में लेकर किया। श्री मोदी ने अपनी देश व्यापी शासन प्रवीण होने की छवि से नीतीश बाबू की ढलती लोकप्रियता और लचर होती छवि को संभालने का प्रयास किया जिसमें वह सफल रहे और राज्य में पुनः भाजपा व जनता दल(यू) की सरकार नीतीश बाबू के नेतृत्व में ही गठित हुई।

प्रदेश के वित्त मंत्री ने एचडीएफसी बैंक के गोल्ड लोन डेस्क का उद्घाटन किया

लखनऊ। एचडीएफसी बैंक, भारत में निजी सेक्टर का नंबर 1 बैंक ने आज घोषणा की कि उसने उत्तर प्रदेश में अपने शाखा नेटवर्क में 75 गोल्ड लोन डेस्क जोड़े हैं। यह घोषणा "आजादी का अमृत महोत्सव" समारोह का हिस्सा है। 75 नए गोल्ड लोन डेस्क के साथ, राज्य में 253 बैंक शाखाएं अब ग्राहकों को गोल्ड लोन की सुविधा प्रदान कर सकेंगी। बैंक राज्य में अपनी सभी शाखाओं को चालू वित्तीय वर्ष में गोल्ड लोन को संसाधित करने में सक्षम बनाने की दिशा में काम कर रहा है। यह सुविधा लोगों को न्यूनतम दस्तावेज और शुल्क में पारदर्शिता के साथ अपने निष्प्रयोज्य सोने का अधिकतम लाभ उठाने का अवसर दे रहा है। गोल्ड लोन लचीले कार्यकाल और पुनर्भुगतान विकल्पों के साथ उपलब्ध हैं। इसकी अवधि 3 महीने से शुरू होकर 36 महीने तक है। शहर में आयोजित एक समारोह में, उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री

सुरेश खन्ना ने एचडीएफसी बैंक के अधिकारियों अखिलेश कुमार रॉय, शाखा बैंकिंग प्रमुख–उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की उपस्थिति में गोल्ड लोन डेस्क का उद्घाटन किया। इस मौके पर अनिल खुगशाल, क्षेत्रीय ग्रामीण प्रधानय और अन्य वरिष्ठ बैंक अधिकारी भी उपस्थित थे। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हम एचडीएफसी बैंक के अधिकारीयों को बधाई देते हैं इन्होने जरूरतमंदों को किफायती ब्याज दर पर सोने के बदले ऋण की सुविधा प्रदान की हैं, हमारी जितनी भी आर्थिक गतिविधियाँ हैं उनको उनको मजबूती प्रदान करने में बैंक एक बहुत बड़ा सशक्त माध्यम हैं, मैं विशेष रूप से कहना चाहूँगा कि एचडीएफसी बैंक द्वारा गोल्ड लोन देने के लिए जो ७५ डेस्कों का शुभारम्भ किया गया है बैंक का यह प्रयास बहुत अच्छा लगा, जो महाजन , सर्राफ लोग लोगों का सोना गिरवी रखते हैं उस पर बहुत मोटा ब्याज लेते हैं इस योजना से ब्याज कम देना पड़ता है और बैंक में सोना सुरक्षित भी रहता है गोल्ड लोन आवेदकों में वेतनभोगी और स्व–रोजगार दोनों श्रेणियों से लेकर विभिन्न वर्ग शामिल हैं। न्यूनतम दस्तावेजों के साथ छोटी अवधि के लिए त्वरित ऋण तलाशने वाले लोगों को इस सुविधा से काफी अधिक लाभ होगा। अखिलेश कुमार रॉय, शाखा बैंकिंग प्रमुख–उत्तर प्रदेश, एचडीएफसी बैंक ने कहा कि "हम राज्य में गोल्ड लोन की तेजी से बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए राज्य में अपने गोल्ड लोन डेस्क नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं।

नौकरी लगवाने का झांसा देकर 5.50 लाख हड़पे

लखनऊ। सिंचाई विभाग के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने विभाग में ही नौकरी लगवाने का झांसा देकर 5.50 लाख हड़प लिए। रुपये लौटाने की बात पर आरोपित जान से मारने की धमकी दे रहा है। हुसैनगंज पुलिस मुकदमा दर्ज कर पड़ताल कर रही है। हुसैनगंज के उदयगंज चौराहा निवासी मो. सलीम के मुताबिक उदयगंज के कैनाल कॉलोनी में रहने वाले मुन्ने खां से उसकी जान पहचान थी। मुन्ने खां सिंचाई विभाग में चतुर्थ श्रेणी पद पर कार्यरत था। मुन्ने ने उससे सिंचाई विभाग में नौकरी लगवाने की बात कही। वर्ष 2016 में उसने तीन बार में तीन लाख रुपये खाते में जमा कर दिए। काफी समय बाद भी जब नौकरी नहीं लगी तो पीड़ित ने रुपये मांगे। कुछ दिन बाद आरोपित ने एक जमीन की रजिस्ट्री करवाने की बात कहकर 2.50 लाख रुपये और ले लिए। अभी तक न तो नौकरी लगी और न ही जमीन मिली। वहीं, इंस्पेक्टर हुसैनगंज श्याम सिंह का कहना है कि बीते मंगलवार को मिली तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

सपना चौधरी को गिरफ्तार करने हरियाणा रवाना हुई पुलिस, वारंट जारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। मशहूर हरियाणवी सिंगर और डांसर सपना चौधरी की मुश्किलें बढ़ने वाली है, सपना चौधरी को गिरफ्तार करने के लिए बुधवार को यूपी पुलिस की टीम हरियाणा के लिए रवाना हो गई है। बता दें कि मामला 4 साल पुराना है, जब उनके खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। इसमें 10 मई को सपना ने कोर्ट में सरेंडर किया था, जिसके बाद उनको अंतरिम जमानत मिली थी। वहीं सोमवार को सपना समेत अन्य आरोपियों पर आरोप तय होने थे। सोमवार को हाजिर ना होने पर कोर्ट ने सपना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया था। दरअसल, सपना चौधरी को सुनवाई के लिए सोमवार को हाजिर होना था, मगर सपना चौधरी अदालत में हाजिर नही हुईं और न ही उनकी ओर से कोई अर्जी दी गई। इस पर अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए सपना चौधरी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

करने का आदेश दिया। अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शांतनु त्यागी ने सुनवाई की अगली तारीख 30 सितंबर तय की है। नवंबर 2021 में भी इसी अदालत द्वारा मामले में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था, जिसके बाद सपना चौधरी ने अदालत में हाजिर होकर अपनी जमानत करा ली थी। कोर्ट के आदेश के अनुसार बीते सोमवार 22 अगस्त को उन्हें सुनवाई के लिए पेश होना था लेकिन सपना चौधरी हाजिर नही हुईं और न ही उनकी ओर से इससे जुड़ी कोई अर्जी दी गई। इस पर अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए सपना चौधरी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया।

सीएम योगी ने पुलिस आवासीय भवन का किया लोकार्पण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते पांच सालों के दौरान प्रदेश में पुलिस की छवि में बदलाव आने का दावा करते हुए कहा है कि पुलिस की बेहतर कार्यप्रणाली का परीक्षण तब होता है जब अपराधी के मन में पुलिस के प्रति खौफ हो और आम आदमी के मन में सम्मान

का भाव हो। मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को 190 आवासीय भवनों का पुलिस विभाग को तोहफा देते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों को बेहतर सुविधाओं से लैस किया जा रहा है जिससे उनकी कार्यक्षमता बेहतर हो सके। योगी ने यहां 190 आवासीय भवनों का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए प्रदेश में अच्छे बैरक बनवा गये हैं। उन्होंने पुलिस तंत्र को अत्याधुनिक सुविधाओं से जोड़ने के लिये महकमे को बधाई दी। योगी ने कहा कि 05 साल पहले पुलिस और प्रदेश, दोनों की छवि अच्छी नहीं थी। योगी ने कहा, ''पहले कोई अपने आपको सुरक्षित नहीं समझता था। स्थिति को सुधारने के लिये मैनें पुलिस लाइनों का निरीक्षण किया। पुलिस महकमे में 1.62 लाख से ज्यादा भर्तियां की, पुलिसकर्मियों की उचित ट्रेनिंग की व्यवस्था कराई, पुलिस में आधुनिकीकरण की व्यवस्था कराई गई, 05 साल में कानून व्यवस्था को बेहतर किया। इसलिये पिछले पांच साल में किये गये कामों का परिणाम आज दिख रहा है।श उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था देश के लिए नजीर बन गयी है। इसने उत्तर प्रदेश की छवि को बदला है। योगी ने कहा कि पुलिस तंत्र तब बेहतर माना जाता है, जब आम आदमी के मन में पुलिस के लिए सम्मान हो और आपराधी के मन में पुलिस का खौफ हो।

आईसीएसई बोर्ड परीक्षा के टॉपर्स को आज सम्मानित करेंगी संयुक्ता भाटिया

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल द्वारा 'मेधावी छात्र सम्मान समारोह' का आयोजन कल 25 अगस्त वृहस्पतिवार को सी.एम.एस. गोमती नगर (द्वितीय कैम्पस) ऑडिटोरियम में किया जा रहा है। लखनऊ की मेयर संयुक्ता भाटिया समारोह की मुख्य अतिथि होंगी।

यह जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि इस समारोह में आई.सी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा–2022 में रिकार्डतोड़ सफलता का परचम लहराने वाले सी.एम.एस. के 35 छात्रों को 36 लाख रूपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा, जिनमें 99.80 प्रतिशत अंकों के साथ आई.सी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा में प्रथम नेशनल रैंक अर्जित करने वाली सी.एम.एस. छात्रा कनिष्का मित्तल को 2 लाख रूपये का नगद पुरस्कार जबकि 99 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले शेष 34 छात्रों को एक–एक लाख रूपये के नगद पुरस्कार से

पुरष्कृत कर सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर आई.सी.एस.ई. (कक्षा 10) की प्रथम इण्टर–कैम्पस कम्परेटिव परीक्षा के टॉपर छात्रों को भी पुरष्कश्त कर सम्मानित किया जायेगा। इसके साथ ही मेधावी छात्रों की माताजी को फलों व फूलों से तौलकर एवं उनके पिताजी व टीचर–गार्जियन को भी सार्वजनिक तौर पर सम्मानित किया जायेगा। समारोह में राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाने वाले सी.एम.एस. छात्रों को भी पुरष्कश्त कर सम्मानित किया जायेगा। श्री शर्मा ने बताया कि सम्मान समारोह से पूर्व सी.एम.एस. के सभी कैम्पसों के आई.सी.एस.ई. (कक्षा–10) के हजारों छात्र कल 25 अगस्त, वश्हस्पतिवार को प्रातः 7.30 बजे विशाल 'चरित्र निर्माण मार्च' निकाल कर चारित्रिक उत्थान का अलख जगायेंगे।

शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का ईको गार्डेन में अनिश्चितकालीन धरना शुरू

लखनऊ। बेसिक शिक्षा के 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने बुधवार को ईको गार्डेन में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया। यह अभ्यर्थी दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को पांच फीसदी की छूट प्रदान कर,उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने की मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थी तूफान सिह ने बताया कि 68500 शिक्षक भर्ती 2018 में हुई। जिसमें ओबीसी, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजन आदि को सामान्य वर्ग के साथ 45: नम्बर पर रखा गया। जबकि आरक्षित वर्ग में केवल एससी व एसटी को 40: नम्बर पर रखा गया। इसको लेकर अभ्यर्थियों ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग व राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग व सामाजिक न्याय व सद्भावना समिति विधान परिषद में शिकायत की थी। इसकी सुनवाई लम्बे समय तक चली।

पारा पुलिस ने 84 घंटों के अंदर किया चंद्रावती हत्याकांड का खुलासा

लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र के मर्दन खेड़ा मोहल्ले में 20 तारीख की रात हुई 55 वर्षीय चंद्रावती यादव की हत्या का पारा पुलिस ने महज 84 घंटों के अंदर खुलासा करते हुए मशतिका चंद्रावती के सगे भतीजे भक्ति खेड़ा बिजनौर के रहने वाले अवधेश यादव और उसके साथी बुद्धेश्वर पारा के रहने वाले अजय श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर चंद्रावती की हत्या कर उनके घर से लूटे गए भारी मात्रा में जेवरात और साढ़े नौ हजार की नकदी और घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल 2 मोबाइल बरामद कर लिए है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए अवधेश यादव ने साल 2002 में सरोजिनी नगर के अमौसी में स्टैंड संचालक अवधेश मिश्रा का अपहरण कर उनकी हत्या की थी अवधेश मिश्रा के लाश अब तक बरामद नहीं हुई है। अपनी सगी चाची की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए गए अवधेश यादव ने ही 2019 में जुलेखा नाम की महिला की हत्या कर उसका शव को सई नदी में फेंक दिया था । अवधेश यादव के खिलाफ तीन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए अवधेश के साथी एमएससी के छात्र अजय श्रीवास्तव के खिलाफ भी हत्या सहित तीन मुकदमे दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि 20 तारीख की रात अवधेश यादव अपने मित्र अजय श्रीवास्तव के साथ अपनी चाची चंद्रावती यादव के घर आया था और उसने अपनी चाची से मकान और जमीन अपने नाम करने के लिए दबाव बनाया था चाची के इनकार करने के बाद कलयुगी भतीजे ने अपने साथी अजय श्रीवास्तव के साथ मिल कर अपनी चाची का मुंह दबाकर उनकी हत्या कर दी थी और अलमारी में रखे उनके लाखों रुपए की कीमत के जेवरात लूट लिए थे। पुलिस के अनुसार शातिर अपराधी अवधेश यादव और उसके साथी अजय श्रीवास्तव ने चंद्रावती की हत्या से पहले अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया था ताकि पुलिस को उनकी लोकेशन पता ना चल सके लेकिन पारा पुलिस ने महज 84 घंटों के अंदर ही चंद्रावती हत्याकांड का खुलासा करते हुए ये भी साबित कर दिया कि अपराधी चाहे जितना भी चालाक क्यों न हो वो अपने जुर्म के निशान कहीं न कहीं छोड़ देता है जिसकी मदद से पुलिस अपराधी तक पहुंच ही जाती है। आपको बता दें कि पारा थाना क्षेत्र के मर्दन खेड़ा मोहल्ले में अकेली रहने वाली चंद्रावती यादव के पति गणेश का देहांत हो चुका है और चंद्रावती निसंतान थी उन्होंने एक बेटी गोद ली थी जिसकी शादी उनहोने संदीप नाम के युवक से की थी। संदीप ने ही चंद्रावती की हत्या किए जाने का मुकदमा अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज कराया था । पुलिस ने महज 84 घंटों के अंदर दूध का दूध और पानी का पानी करते हुए चंद्रावती हत्याकांड का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर हवालात में पहुंचा दिया है।

देश का संविधान भारतीय संस्कृति पर आधारित : कलराज मिश्र

लखनऊ। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि देश का संविधान भारतीय संस्कृति पर आधारित है। यही भारत की गीता, कुरान और बाइबिल है। राज्यपाल कलराज मिश्र बुधवार को विश्वेश्वरैया सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेवा प्रतिष्ठान की ओर से आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

यह आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेवा प्रतिष्ठान की ओर से किया गया। सतह से शिखर तक अन्त्योदय का शंखनाद विषय पर आयोजित संगोष्ठी में कलराज मिश्र ने कहा की वह जब से संवैधानिक पद पर आसीन हुए हैं तब से सभी को संविधान की शिक्षा दे रहे हैं। राज्य सरकार से पोषित विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क का निर्माण करवा रहे हैं। साथ ही अपने राजभवन में भी एक संविधान पार्क बनवा रहे हैं जो सितंबर तक पूरा

हो जाएगा। इस पार्क में संविधान के 22 भाग दिए हैं जिससे इसकी मूलभूत अवधारणा का उद्देश पता चलता है। उन्होंने कहा कि इन भागो में भारतीय संस्कृति में भगवान श्रीराम, भगवान गौतम बुद्ध का चित्र के माध्यम से उल्लेख किया गया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बारे में उन्होंने कहा की वह सही मायनों में शब्दऋषि थे। मुझे उनके सानिध्य का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कोई भी देश अपनी जड़ों से कटकर उन्नति नहीं कर सकता वह कहते थे। गरीब से गरीब यानी समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना पहुंचे यही उनके अंत्योदय की परिकल्पना का मूल उद्देश्य था। इसे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आगे बढ़ा रही है।

अपराधियों को नहीं छोड़ पा रहे हैं अखिलेश यादव

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जेल में बंद विधायक रमाकांत यादव से मुलाकात के लिए अखिलेश यादव के जेल में जाने पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि सपा प्रमुख अपने वास्तविक चरित्र और पार्टी की प्रवृत्ति की विवशता के कारण अपराधियों से दोस्ताना नहीं छोड़ पा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा कि रमाकांत यादव से जेल में मुलाकात कर अखिलेश ने फिर से साबित कर दिया है कि वह अपराधियों के बल पर ही राजनीति करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा है कि सपा अपराधियों के बूते राजनीति करना चाहती है, जबकि जनता गुंडों और माफिया की पार्टी को पहले ही नकार चुकी है। शिकस्त के बाद भी समाजवादी पार्टी अपने मूल चरित्र से बाहर नहीं आना चाह रही है।

दीपोत्सव पर अयोध्या में जलेंगे 14 लाख दीये

लखनऊ। राम की नगरी अयोध्या के आसपास के गांवों में कुम्हारों के चाक इन दिनों बहुत तेजी से घूमने लगे हैं। महज दो महीनों बाद सरयू नदी के किनारों पर आयोजित होने वाले दीपोत्सव के लिए 14 लाख मिट्टी के दीये तैयार करने हैं। उत्तर प्रदेश सरकार हर साल दीपावली से एक दिन पहले आयोजित होने वाले दीपोत्सव समारोह को प्रायोजित करती

है,इसमें पवित्र सरयू नदी के दोनों किनारों पर लाखों दीये जगमगाते हैं। यह दृश्य बेहद भव्य और रमणीय होता है। अयोध्या में यह परंपरा प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने वर्ष 2017 में डाली थी और शुरुआत 51 हजार दीयों से हुई थी। 2019 में दीयों की संख्या बढ़कर चार लाख 10 हजार हो गई थी। 2020 में यह संख्या छह लाख थी और 2021 में यह नौ लाख से ज्यादा होकर एक नया विश्व रिकॉर्ड बना गई। इस बार 23 अक्टूबर को आयोजित होने वाले दीपोत्सव में 14 लाख दीये प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य है। ऐसे में अयोध्या के आसपास के गांवों के कुम्हारों का काम बहुत बढ़ गया है और वे बहुत बड़े आर्डर मिलने की उम्मीद में दिन रात चाक घुमा रहे हैं। राजू नामक व्यक्ति की माने तो उसका कहना है कि पिछले साल सिर्फ 15–20 दिन पहले ही मिले 21 हजार दीयों के आर्डर को पूरा कर लिया था।

एटीएस ने आतंकियों की बड़ी साजिश को किया नाकाम

लखनऊ। यूपी में पुलिस ने आतंकियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। दरअसल महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी जुनैद ने यूपी में तीन नामी लोगों की हत्या का प्लान बनाया था। बताया जा रहा है कि आतंकियों के निशाने पर गायक संदीप आचार्य, जितेंद्र त्यागी उर्फ वसीम रिजवी और नरसिंहानंद स्वामी थे। जिन्हें समय रहते ही बचा लिया गया है। इतना ही नहीं आतंकी बीजेपी की रैलियों में धमाके की साजिश भी रच रहे थे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान से श्बड़े आतंकी

वारदात को अंजाम देने की साजिश रची जा रही थी। यह सारी साजिश की जिम्मेदारी आतंकी जुनैद को सौपी गई थी। महाराष्ट्र एटीएस ने बताया कि कश्मीर के आतंकवादी संगठन द्वारा आतंकी साजिशों के लिए जुनैद को पैसे भी भेजे गए है। वही जुनैद काफी समय से पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में था। इसी कड़ी में उसने यूपी के तीन नामी लोगों को मारने का भी प्लान बनाया हुआ था। वही पुलिस ने समय रहते ही जुनैद को गिरफ्तार कर, होने वाले आतंक पर रोक लगा दी है। इतना ही नही जुनैद दिल्ली और उत्तर प्रदेश के धार्मिक स्थलों पर बमबारी के लिए अकोला में सेल्फ ट्रेनिंग ले रहा था। महाराष्ट्र एटीएस ने जुनैद को पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा से धन प्राप्त करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। वही जुनैद पर धारा 121 (ए) 153 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल जुनैद पुणे की यरवदा जेल में बंद है।

व्यापारियों की समस्याओं का अतिशीघ्र हो निस्तारण : जिलाधिकारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर देहात। जिलाधिकारी नेहा जैन की अध्यक्षता में आयोजित व्यापार बंधु की बैठक में व्यापार बंधु के प्रदेश महामंत्री श्याम मोहन दुबे द्वारा व्यापारियों की समस्याओं के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि रूरा कस्बे में रेलवे का अंडर पास बनने के कारण मेन रोड क्षतिग्रस्त हो गया है जिससे व्यापारी परेशान है। इस पर जिलाधिकारी ने अधिशाशी अधिकारी रूरा को निर्देशत किया कि मामले की जांच कर उचित कार्यवाही करें। इसी प्रकार सिकंदरा एवं बिल्हौर के मध्य झींझक रेलवे स्टेशन के पास अंडरपास में अंधेरे होने के कारण व्यापारियों को खासा कठिनाई होने की शिकायत पर उन्होंने अधिशाशी अधिकारी नगर पंचायत झींझक को शीघ्र अण्डरपास में लाइट व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने माती बस डिपो पर अतिरिक्त बसे एवं स्टाप बढ़ाए जाने की मांग की। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा शीघ्र निस्तारण हेतु आश्वस्त किया। उनके द्वारा रनियां उद्योगों में घटनाओं के चलते जनपद कानपुर देहात, औरैया आदि जनपदों के मजदूरों को उद्यमियों द्वारा हटाए जाने से

जनपद में बेरोजगारी की स्थिति की जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उक्त मामले की जांच कर समस्याओं का निस्तारण शीघ्र कराए। वही बैठक में जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी को समय पर उपस्थित न होने पर कड़ी फटकार लगाते हुए अधिकारियों को समय पर बैठक में उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया कि विभिन्न स्थानोंध्क्षेत्रों में प्रथक प्रथक कैंप लगाकर अधिक से अधिक खाद्य सुरक्षा के लाइसेंस बनाए। इस पर जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने व्यापारियों की सुविधा को दृष्टिगत ऑनलाइन प्रक्रिया समझाते हुए बताया कि लाइसेंस हेतु बेवसाइड ूविबवे.पि. हवअ.पद पर जाये। जिसमें 12 लाख से कम आमदनी के व्यापारी की वार्षिक फीस 100 रूपये है एवं 12 लाख से ऊपर आमदनी के लिए 2000रू है। उन्होंने कहा कि 12 माह से पूर्व 11 माह के अंदर तक अवश्यक रूप से प्रति वर्ष लाइसेंस रिन्यूबल कराये। वहीं बताया गया कि फटलाइजर यूरिया का रेट 266 रूपये है जोकि दुकानदार 290–92 रूपये में किसानों को देते है, इसी प्रकार डीएपी के रेट 1350 रूपये है, जिसको दुकानदार ध 1420–25 में देते है, इस पर जिलाधिकारी ने व्यापारियों एवं वितरक की बैठक कर दरें निर्धारित करने हेतु आश्वस्त किया। वहीं व्यापारियों के कानपुर से कानपुर देहात आने जाने हेतु टोल प्लाजा में व्यापारियों को टोल निःशुल्क पास जारी करने पर चर्चा की गयी। इस पर जिलाधिकारी ने एनएचआई टोल अधिकारी को निर्देशित किया कि उचित कार्यवाही करें। वहीं जिलाधिकारी ने व्यापारियों को हर घर तिरंगा अभियान में अच्छा सहयोग करने पर सभी को बधाई दी। इस मौके पर अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन केशव नाथ गुप्ता, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व जेपी गुप्ता, समस्त अधिशाशी अधिकारी नगर निकाय, वाणिज्यकर अधिकारी बीडी शुक्ला आदि अधिकारीगण एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस अधिकारियों के साथ सर्राफा व्यापारियों की हुई बैठक

लखनऊ। पुलिस कमिश्नर एसबी शिरडकर के निर्देशन में सर्राफा व्यापारियों के साथ, पुलिस अधिकारियों की पूर्वी जोन में बैठक की गई।

बैठक में डीसीपी पूर्वी प्राची सिंह, एडीसीपी सैयद अली अब्बास ने सर्राफा व्यापारियों की समस्याओं और उनके सुझावों को सुना।

कार में जन्मदिन पार्टी बनी जानलेवा

लखनऊ। लखनऊ में किसान पथ पर कार सवार युवक–युवतियां जन्मदिन पार्टी मानते हुए फर्राटा भर रहे थे। उनकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर दूसरी लेन में चली गई और एक बाइक को टक्कर मारते हुए पलट गई। कार की टक्कर से बाइक सवार मां–बेटे की मौत हो गई। वहीं कार सवार दो युवती और दो युवक घायल हो गए। जिन्होंने अस्पताल में इलाज के दौरान मारपीट भी की। इंस्पेक्टर बीबीडी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि गोसाईगंज सदरपुर निवासी 45 वर्षीय मंशाराम अपनी 80 साल की मां शांति देवी के साथ बाइक से चिनहट से घर जा रहे थे। रात करीब 8 बजे किसान पथ पर दोगरा गांव के पास एक कार टक्कर मारते हुए पलट गई। जिसमें मंशाराम और शांति देवी की मौके पर ही मौत हो गई। कार पलटकर काफी दूर तक घिसटती चली गई। जिससे कार सवार चार लोग घायल हो गए। मंशाराम के बेटे मोहित की तहरीर पर कार सवार लखनऊ खजुहा निवासी आस्था, जनकीपुरम निवासी तरू और आदित्य सिंह समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

भारत को विश्वगुरु बनाने के भागीरथ प्रयास में जुटे हैं मोदी : डॉ दिनेश शर्मा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 20 साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्थानीय नगर पालिका सभागार में बुधवार को एक सेमिनार आयोजित हुई। मोदी /20 ड्रीम मीट डिलेवरी थीम पर आधारित सेमिनार में सभी वर्गों से जुड़े प्रबुद्धजनों की मौजूदगी रही। प्रख्यात बुद्धिजीवियों और डोमेन विशेषज्ञों द्वारा लिखी गयी यह पुस्तक मोदी के शासन के अनूठे मॉडल के कारण पिछले बीस वर्षों में गुजरात और भारत मे आए मूलभूत बदलावों का विस्तृत अन्वेषण करने का प्रयास करती है। बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि गरीबी के आंगन से उठकर पीएम बनने का सफर, एक छोटे से कार्यकर्ता से लेकर सबसे लोकप्रिय नेतृत्व बनने तक का सफर, कभी पंचायत का सदस्य न रहते हुए भी दुनिया में सबसे लोकप्रिय नेता और भारत के प्रधानमंत्री बनने के सफर प्रत्येक देशवासी के लिए अनुकरणीय है। मोदी देश को विश्वगुरु बनाने के भागीरथ प्रयास में जुटे हैं। अपने अनुभव

साझा करते हुए बताया कि नरेंद्र मोदी परिणाम के बारे में सोचते हैं । इसी सोच ने देश में बड़े बदलाव किए हैं। वे छोटे से छोटे व्यक्ति के बारे में सोचते हैं। मोदी राष्ट्रहित में कड़े फैसले लेने से नहीं डरते। वे वोट के लिए राजनीति नहीं करते। नरेंद्र मोदी की सोच में व्यापकता बहुत है। वे आदिवासियों, गरीबों, पिछड़ों और महिलाओं के लिए काफी संवेदनशील हैं। उनकी हर योजनाओं में अंत्योदय शामिल रहता है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को दृष्टा करार दिया जो 25 साल आगे की योजना पर कार्य करते हैं। कहा मोदी एक विजन का नाम है। देश की सांस्कृतिक विरासत को संजोने में जुटे मोदी राष्ट्र निर्माण में दिन रात काम कर रहे हैं। कोविड प्रबंधन में मोदी की तारीफ करते हुए कहा स्वदेशी वैक्सीन ने करोड़ो लोग की जिंदगी बचाने के साथ ही आत्मनिर्भर भारत अभियान की झलक भी दिखला दी। उन्होंने लोगों को मोदी को भारत और दुनिया की जरूरत करार दिया। सेमिनार में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से जुड़े कई संस्मरण सुनाए। हर घर तिरंगा अभियान के जोश को भी साझा किया। सेमिनार की शुरुआत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं दीनदयाल उपाध्याय के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन से हुई। कार्यक्रम में फिजिशियन डॉ विनय कुमार जैन ने कोविड प्रबंधन, पूर्व बार अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह ने सामरिक रणनीति, साहित्यकार अजय सिंह ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद व प्रोफेसर अजीत सिंह ने युवाओं में मोदी की लोकप्रियता विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। सन्चालन आशीष पाठक ने किया। भाजपा जिला अध्यक्ष शशांक कुसुमेश ने सभी का स्वागत एवं कार्यक्रम संयोजक विजय आनंद बाजपेई ने आभार ज्ञापित किया।

रोडवेज बस चालक पर यात्री ने हमला किया

बहराइच। बहराइच से लखनऊ की ओर जा रही रोडवेज बस पर यात्रा कर रहे एक सिरफिरे यात्री ने अचानक चालक के सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। जिससे उसका सिर फट गया, और चालक लहूलुहान हो गया। नजदीकी सीएचसी पर भर्ती कराया गया है। जहां इलाज के बाद छुट्टी दे गई है।

घटना जरवल के निकट लखनऊ–बहराइच हाईवे पर स्थित अट्ठइसा गांव के पास की है। बुधवार को सुबह नौ बजे यात्रियों से भरी रोडवेज बस लेकर चालक शिवपूजन शर्मा बहराइच से लखनऊ जा रहे थे। जरवल के आगे अकिया अकिया अट्ठइसा गांव के पास पहुंचने पर चालक के पास बैठे एक यात्री ने लोहे की रॉड उठाकर अचानक चालक के सिर पर जड़ दिया, जिससे चालक का सिर फट गया।

जिससे बस अनियंत्रित हो गई, किंतु कुछ दूरी पर जाकर चालक ने बस को किसी प्रकार नियंत्रित कर लिया जिससे यात्री चोटिल होने से बाल–बाल बच गए। परिचालक ने एंबुलेंस बुलाकर नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्तफाबाद जरवल में भर्ती कराया।

बाल विवाह एक अपराध है मां-बाप के साथ मध्यस्थता कराने वाले होते है दोषी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

ckjkcdhA विकास खण्ड रामनगर के ग्राम पंचायत बड़नपुर के पंचायत भवन में चाइल्ड लाइन 1098 द्वारा ओपेन हाउस मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों, बालिकाओ की सुरक्षा व सायबर अपराधों से बचने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि विषेश किषोर पुलिस इकाई से उपनिरीक्षक श्रीमती कमलेष सिंह ने जेंडर भेदभाव नही करने और लड़का–लड़की दोनों को समान अवसर देने व पढ़ाने के लिए लोगों को प्रेरित किया। उपनिरीक्षक ने महिलाओं को गुड टच बैड टच के बारे में बताया और थाना रामनगर उपनिरीक्षक विश्णु कुमार षर्मा ने बाल विवाह को रोकने के लिए बताया। श्री षर्मा ने कहा कि बाल विवाह एक अपराध है।

बाल विवाह कराने के लिए मां–बाप के साथ मध्यस्थता कराने वाले दोशी होते हैं। साइबर क्राइम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी अपरिचित व्यक्ति को अपना एटीएम कार्ड नंबर ना बताएं तथा नाबालिक बच्चों को मोटरसाइकिल चलाने की

अनुमति कदापि ना दें। चाइल्ड लाइन के जिला समन्वयक जियालाल ने बच्चों को चाइल्डलाइन 1098 की विस्तार से जानकारी दी। चाइल्ड लाइन टीम ने बच्चों को सुरक्षा के दस नियम बताए, कहा कि जब भी घर से बाहर निकलें, अपने माता पिता को अवष्य बताएं, अपने घर का मोबाइल नंबर याद रखें, किसी अनजान व्यक्ति के वाहन पर न बैठें, न ही अनजान व्यक्ति द्वारा दी गई कोई चीज खाएं। किसी प्रकार की अनहोनी की आषंका हो या संकट आये तो चाइल्ड लाइन 1098 पर फोन कर मदद लें। चाइल्ड लाइन से प्रदीप कुमार ने बताया कि मोबाइल द्वारा हमारे समाज मे बड़े अपराध हो रहे हैं इंटरनेट से बचे अपना आधार नंबर ही किसी काम मे दें आधार की फोटो कॉपी देने पर उसमें लिख दीजिये की किस काम के लिए दे रहे हैं यदि ऐसा नही करते हैं तो बड़ी मुसीबत में पड़ सकते हैं।

इंटरनेट के माध्यम से आपका आधार बहुत जगह पर फॉरवर्ड कर देते हैं जिससे आपके साथ ठगी हो सकती है। अपने पहचान पत्र को किसी अपरिचित व्यक्ति को ना दें।

संक्षिप्त खबरे

दिनेश शर्मा राजा कासिम ने किया स्वागत

ckjkcdhA पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेष षर्मा के बाराबंकी आगमन पर छाया चौराहे पर भाजपा वरिश्ठ नेता राजा कासिम की अगवाई में सैकड़ो मुस्लिमानों ने फूल–मलाये पहनाकर व पीतल की गाऊ माता भेटकर धार्मिक एकता का संदेष दिया। स्वागत करने वालो में मौलाना युसूफ हाजी, षफीक अहमद, मुमताज अहमद, रौनक अली, षमीम बाराबंकवी, षुऐब अनवर, मो0 फैज, मो0 मकसूद, मो0 अहमद, रजी अहमद, जुबेर अहमद खान, ताहिर किदवई, मो0 फिरोज खान, आदिल हुसैन, निर्मल जैन, प्रषान्त कुमार मिश्रा, रामलाल चौहान, विजय सिंह, संदीप सिंह, जफर 'एडवोकेट', दरहरा प्रधान षेरबहादुर, इरषाद अहमद के साथ बड़ी संख्या में नगर पालिका हाल में भी मुस्लमान उपस्थित रहे।

साइबर सेल टीम द्वारा गुमशुदा को सकुशल किया गया बरामद

ckjkcdhA थाना कोठी पर 05 अगस्त 2021 को पंजीकृत मु०अ०सं० 214/2021 धारा 363 भादवि से सम्बन्धित गुमषुदा को साइबर सेल टीम द्वारा आज सकुषल बरामद किया गया। थाना कोठी निवासी उक्त गुमषुदा मोबाइल पर गेम खेलने की लत के कारण घरवालों के डॉटने पर नाराज होकर घर से बिना बताये जनपद लखनऊ चला गया था व एक होटल में काम कर रहा था और काम के बाद मिलने वाले रुपये से मोबाइल खरीद कर अपना यूट्यूब व इन्स्टाग्राम पर आईडी बनाकर उस पर गेम के वीडियों अपलोड करता था। साइबर सेल टीम द्वारा इंस्टाग्राम व यूट्यूब चौनल को ट्रैक कर बच्चे को सकुषल बरामद किया गया । पुलिस टीम में प्रभारी साइबर सेल निरीक्षक विजय वीर सिंह सिरोही, प्रभारी चौकी बंकी उ०नि० रमाकान्त भारतीय थाना कोतवाली, हे०का० अनुराग उपाध्याय साइबर, का० कुलदीप यादव, का० अभिषेक चपराणा साइबर तथा का० राजन यादव साइबर सेल बाराबंकी षामिल रहे।

महिला पुलिस टीम ने जोन फुटबाल फाइनल जीता

बहराइच। भिनगा श्रावस्ती की पुलिस लाइन मैदान में खेली जा रही गोरखपुर जोन फुटबॉल महिला व पुरुष पुलिस प्रतियोगिता में बहराइच महिला टीम ने फाइनल में बस्ती टीम को पेनाल्टी में 3–1 से जीत कर फाइनल का खिताब हासिल किया। वहीं आज पुरुष टीम का फाइनल मुकाबला बस्ती और गोरखपुर के बीच ढाई बजे से खेला जाएगा। बहराइच महिला टीम के फाइनल जीतने पर एसएसपी केशव कुमार चौधरी ने बधाई दी हैस

श्रीझूलेलाल जन्मोत्सव की झांकी २७ को निकलेगी

बस्ती। श्री झूलेलाल महोत्सव के तहत 26 अगस्त को सिंधी धर्मशाला मंगल बाजार में सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। यह जानकारी समाज के मुखिया पुरूषोत्तम फातवानी ने दी। श्री फातवानी ने बताया कि 27 अगस्त को शोभा यात्रा व झांकी पुरानी बस्ती थाना के सामने से निकलेगी। यह झांकी सुर्तीहट्टा, मंगल बाजार, दक्षिण दरवाजा होते हुए रोडवेज व गांधी नगर होते हुए अमहट तक समाप्त होगा। आयोजन में गुरूदास, मनोहर लाल, अनिल, सोनू, राजू, हितेष, तुषार, दीपक, दीपू, शेखर, संदीप, कुमार, पंकज भईया आदि सहयोग कर रहे हैं।

पुलिस ने फर्जी दरोगा को किया गिरफ्तार, दो नकली आईडी कार्ड और वर्दी बरामद

गोण्डा। गोंडा पुलिस ने एक फर्जी दरोगा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से दो फर्जी आईडी कार्ड और वर्दी बरामद हुई है। गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम विपिन तिवारी है। आरोपी लोगों से वाहन चेकिंग के नाम पर पैसा ऐंठता था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आईटीआई चौराहे से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है। वहीं खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज प्रजापति ने बताया कि गोंडा की कोतवाली नगर पुलिस ने फर्जी दरोगा विपिन तिवारी को गिरफ्तार किया गया है। जो परसा गोड़री थाना कर्नलगंज कोतवाली क्षेत्र का रहने वाला है। फर्जी दरोगा बन के अवैध कार्यों में सम्मिलित था। जब उसको गिरफ्तार करके पूछताछ की गई तो पता लगा कि इसने कई लोगों से अवैध वसूली की है। आरोपी को पहले भी जनपद बलरामपुर के रेहरा से फर्जी दरोगा के रूप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी के पास से पुलिस ने दो नकली आईडी कार्ड व अन्य जरूरी कागजात बरामद किए हैं। अब फर्जी पुलिस दरोगा के सहयोगियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई करेगी। यह वही दरोगा है जो बीते दिनों सिविल लाइन क्षेत्र की एक महिला से अवैध वसूली की थी। फर्जी दरोगा के पास से फर्जी वर्दी भी बरामद हुई है। यह वर्दी पहनकर पुलिस का काम करा देने का पुलिस के जो काम काज होते हैं उसके नाम पर वसूली करता था।

पुलिस ने चोरी की बाइक की बरामद

cgjkbpA पयागपुर थाने की पुलिस ने एक युवक को चोरी की बाइक व असलहा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया है। गहन पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेजा गया है। पयागपुर थाने में तैनात उपनिरीक्षक श्रवण कुमार गौतम , मुख्य सिपाही अंगद राय, सिपाही संतोश यादव मंगलवार षाम गष्त पर निकले थे। एक बाइक सवार युवक को सेमिरियांवा चौराहे से आगे बड़का पुल के पास रोक तलाषी ली। उसके पास से 12 बोर तमंचा व दो कारतूस मिले। युवक बाइक के भी कागजात नही दे सका। तहकीकात में पता चला है कि बाइक चोरी की है। उसकी नम्बर प्लेट भी बदली गई है।

रोजगार मेले में 269 का चयन परीक्षा व साश्रात्कार के माध्यम किया गया

बाराबंकी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान महुँआमऊ बाराबंकी के परिसर में आज मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अन्तर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बाराबंकी एवं जिला सेवायोजन कार्यालय, बाराबंकी के संयुक्त प्रयास से एक बश्हद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें आई0टी0आई0 की तरफ से कुल 03 कम्पनी में 62, लॉवा मैन्यूफैकचरिंग नोयडा (यू0पी0) में 33, डिक्सन प्रा0लि0 नोयडा में 35, कुल 130 तथा जिला सेवायोजन कार्यालय की तरफ से 06 कम्पनियॉ में 25, ब्राइट फ्यूचर आर्गेनिक हर्बल प्रा0लि0, बाराबंकी में 25, हिमालयन मैनपावर सर्विसेज में 45, शिवशक्ति बायोटेक्नोलॉजी प्रा0लि0 में 13, पशुपतिनाथ बायोटेक्नोलॉजी प्रा0लि0 में 19, एवं लाइफ इश्योरेंस कम्पनी, बाराबंकी में 12, कुल 139 का चयन रोजगार कार्यालय द्वारा किया गया। इस प्रकार आज के मेले में आई0टी0आई0 के 194 प्रतिभागियों में से 130 तथा रोजगार कार्यालय से

307 में से 139 के चयन को मिलाकर कुल 501 प्रतिभागियों मे से 269 का चयन परीक्षा/साश्रात्कार के माध्यम से किया गया।

उक्त रोजगार मेले में सेवायोजन कार्यालय, बाराबकी से आये हुए सेवायोजन अधिकारी श्री चन्द्रचूड़ दूबे जी ने सभी अभ्यार्थियों की काउसिंलिंग करते हुए सेवामित्र पोर्टल की जानकारी दी। इनके साथ श्री सुनील कुमार, श्रीमती राधिका श्रीवास्तव उपस्थित थे। रोजगार मेले का सफल संचालन करते हुए श्री एल0एस0 शुक्ल, कार्यदेशक के साथ श्री रामसजीवन कार्यदेशक, श्री गनेश प्रसाद कार्यदेशक, श्री अखिलेश वर्मा अनुदेशक, श्री आशुतोष कु0 यादव, श्री प्रीतम सिंह, श्री आर्पित गुप्ता, श्री मनीष वर्मा तथा फतेहपुर संस्थान से आये हुए श्री अंकुर अस्थाना, श्री विवेक, श्री उबैदुल्लाह खान, श्री पंकज वर्मा एवं सुश्री अंकिता ने उपस्थिति रहकर रोजगार मेले में सहयोग प्रदान किया।

किशोरी को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म, भेद खुलने के डर से फिर उठाया

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र की एक तेरह वर्षीय बालिका को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म की सनसनीखेज घटना सामने आई है। आरोप है कि पांच दिन बाद पीड़िता को आरोपी उसके गांव के पास छोड़ गए थे। भेद खुलने के डर से उसे फिर से अगवा कर लिया गया। पुलिस मुकदमा दर्ज आरोपियों को गिरफ्तार कर किशोरी को मुक्त कराने की मुहिम में लग गई है। पीड़िता की मां ने लालगंज थाने में तहरीर देकर बताया कि 11 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन वह अपने भाई के घर राखी बांधने गईं थीं। उनकी बेटी घर पर अपने छोटे भाई के साथ अकेली थी। आरोप है कि मौका देखकर गांव का रहने वाला युवक घर में घुस गया। अंदर सो रही बेटी का मुंह दबाकर गन्ने के खते में उठा ले गया। गन्ने के खेत में ले जाकर कोल्ड ड्रिंक के बोतल में शराब मिलाकर पिला दिया। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया।

जगदगुरू परमहंसाचार्य ने किया टी. रजा का समर्थन

अयोध्या। जगदगुरू परमहंसाचार्य ने हैदराबाद के विधायक टी. रजा का समर्थन किया है। कहा, उन्होंने भगवान श्रीराम और माता सीता के अपमान से आहत होकर प्रतिक्रिया दी है। उन्हें धमकी देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। असदुद्दीन ओवैसी दंगों के मास्टरमाइंड हैं। परमहंसचार्य ने कहा, एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भारत में शरिया कानून लागू करना चाहते हैं। ओवैसी संविधान विरोधी भी हैं और राष्ट्र विरोधी भी हैं। ओवैसी मुसलमानों को भड़काते रहते हैं। लगातार हो रही हिंदुओं की हत्या के पीछे ओवैसी का भड़काऊ भाषण है। करोड़ों मुस्लिम हिंदू–देवी देवताओं का अपमान करते हैं। हिंदू आस्था को चोट पहुंचाते हैं, मगर उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होती है। उन्होंने कहा, जब कोई हिंदू उनको जवाब दे देता है तो सिर तन से जुदा करने वाला गैंग सक्रिय हो जाता है। जिसको कानून का कोई डर नहीं है। उसके दबाव में आ करके हिंदुओं के ऊपर एकतरफा कार्रवाई की जाती है। टी. राजा के खिलाफ कई हजार मुस्लिम ने सिर तन से जुदा करने की धमकी दी है लेकिन उनके ऊपर कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा, कानून को हाथ में जो ले रहे हैं, उनके ऊपर भी कार्रवाई होनी चाहिए। देश के लिए चिंता का विषय है कि जिहादी मानसिकता के लोग भीड़ इकट्ठा करके दबाव बनाते हैं और हिंदू नेताओं को पर कार्रवाई हो जाती है। एक तरफा कार्रवाई देश के लिए चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की आजादी क्या केवल मुसलमानों को दी गई है। टी. राजा के लिए सिर तन से जुदा करने का नारा लगाने वालों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज होना चाहिए। ये संदेश देना चाहिए कि जो कानून को अपने हाथ में लेना, उसको डंडा पड़ेगा।

तीन दिन बंद रहेगा लखनऊ हाईवे, डीएम ने दिए आदेश जिले में धारा 144 लागू

गोण्डा। गोंडा में 30 अगस्त को कजरी तीज है। गोंडा का यह तीन बड़े त्योहारों में एक है। जिले में धारा 144 लागू कर दी गई है। 28 अगस्त को देवीपाटन मंडल के चारों जिलों के अलावा अयोध्या, बाराबंकी आदि क्षेत्रों से करीब 10 लाख शिवभक्त कांवड़ उठाएंगे। इसके लिए चप्पे–चप्पे पर बैरीकेडिंग, वैरियर लगाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी डॉ. उज्जवल कुमार ने विभिन्न शिवालयों, कटरा घाट आदि का निरीक्षण किया। जिले के सबसे बड़े मेले कजरी (हरतालिका) तीज को लेकर 3 दिनों तक गोंडा से जरवल फोरलेन मार्ग पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा। इसके लिए जिलाधिकारी ने आदेश जारी किया किया है। जिलाधिकारी डॉ. उज्जवल कुमार ने आदेश में कहा है कि कजरी तीज के पावन पर्व पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं व कांवरियों द्वारा सरयू घाट करनैलगंज से पवित्र सरयू का जल भरा जाता है। कांवरिया जल लेकर कटरा– कौड़िया मार्ग होते हुए पश्थ्वीनाथ मंदिर एवं सरयू घाट से कस्बा करनैलगंज–बालपुर होते हुए गोंडा के दुखहरण नाथ मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक व पूजन अर्चन करते हैं। इन दोनों मार्गों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ एकत्र होने के कारण कानून व शांति व्यवस्था प्रभावित होने व आवागमन प्रभावित होने संभावना बनी रहती है। दोनों मार्गो पर यातायात परिवर्तित किया जाता है। 28 अगस्त की शाम 6 से 30 अगस्त की शाम 6 बजे तक लखनऊ से करनैलगंज होते हुए गोंडा जाने वाले मार्ग पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा। इसके लिए जरवल से कैसरगंज व बहराइच होकर गोंडा के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में प्रयोग किया जाएगा। गोंडा से लखनऊ से जाने के लिए बहराइच– कैसरगंज होकर वाहनों का आवागमन होगा। बड़गांव पुलिस चौकी से जरवल रोड करनैलगंज से आर्यनगर मार्ग एवं फरेंदा–जरवल मार्ग पर कजरी तीज पर श्रद्धालुओं का पैदल आवागमन जारी रहेगा। जिसके मद्देनजर यह मार्ग वाहनों के यातायात के लिए प्रतिबंधित किया गया है।

शिक्षक ने किशोरी से किया दुष्कर्म, दबाव में किया निकाह, फिर दे दिया तीन तलाक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बस्ती। हर्रैया थाना क्षेत्र के एक शिक्षक ने विद्यालय की 14 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। मुकदमे में फंसने के डर से निकाह किया और कुछ समय बाद ही तीन तलाक दे दिया। प्रकरण की शिकायत पीड़िता के पिता ने आला अफसरों से की। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक हर्रैया थाना क्षेत्र की रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी के पिता ने तहरीर देकर बताया है कि उनकी बेटी 2019 में कक्षा नौ की छात्र थी। आरोप है कि स्कूल के प्रबंधक के बेटे व अध्यापक एहसान ने अक्तूबर 2019 में किताब देने के बहाने एक कमरे में बुलाकर उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद पीड़िता को डरा–धमका कर लगातार शारीरिक शोषण करता रहा। इसी दौरान उसे भगाकर लखनऊ ले गया। आरोपी का बड़ा भाई उसे लखनऊ से

बस्ती ले आया और लड़की को उसके घर भेज दिया गया। बाद में मुकदमे से बचने के लिए आरोपी ने पीड़िता से निकाह कर लिया पर विदाई नहीं कराई। दबाव बनाने पर विदाई करवाकर घर ले गया और अपनी मां के साथ मिलकर गर्भपात करवा दिया। इसके बाद जुलाई 2022 में उसे फोन पर तीन तलाक दे दिया। सीओ हर्रैया शेषमणि उपाध्याय ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

2 घंटे तक हुई हल्की बारिश,किसानों के चेहरे खिले, खेतों में भरा पानी

गोण्डा। बुधवार की सुबह बारिश हुई। जिससे जिले के किसानों के फसलों को थोड़ा फायदा पहुंचा है। किसानों के चेहरे पर बारिश देख खुशी नजर आई। अभी तक उन्हें अपनी फसल सूखने की चिंता सता रही थी। लेकिन आज हल्की बारिश से उन्हें कुछ राहत मिली है। जनपद में इस बार दो से तीन बार ही बारिश हुई थी। बाकी दिन सूखे ही जा रहे थे। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई थी। उन्हें सूखे का डर सता रहा था। खेती में ज्यादातर पूंजी लगा दी मगर बारिश न होने से उनकी मेहनत बेकार जा सकती है। मानसून की आहट मिलते ही किसानों ने बीजों की रोपाई तो किसी तरह कर दी थी। लेकिन पूरा सावन बीत जाने के बाद भी बारिश न होने से उन्हें निराशा लग रही थी। सिंचाई के लिए उन्हें ठीक से पानी नहीं मिल रहा था।

सदस्यता कार्यक्रम को और गति देने की है आवश्यकता

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। लोकतंत्र में तानाशाही का कोई स्थान नहीं है, भारतीय जनता पार्टी की सरकार लोकतंत्र का गला घोट देने पर उतारू है, लोकतंत्र को बचाने में युवा वर्ग आगे आऐ। उक्त विचार आज विधानसभा रामनगर में लालपुर करौता चौराहे पर सदस्यता अभियान के अंतर्गत सदस्यता शिविर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री राकेश कुमार वर्मा ने व्यक्त किए। उन्होने कहा कि सदस्यता कार्यक्रम को बाराबंकी जनपद में और गति देने की आवश्यकता है सपा की सदस्यता लेने वाले कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी के विचारों व नीतियों से प्रभावित होता है भाजपा सरकार से लडने के लिए कार्यकर्ता वौधिक रूप से भी मजबूत हो। श्री वर्मा ने भारतीय जनता पार्टी की वर्तमान नीतियां पर प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा देश को गिरवी रखना चाहती है उसकी नीतियां पूंजीवादी हैं, बेरोजगारी, शिक्षा, महंगाई सभी मोर्चों पर सरकार विफल साबित हुई है। पूर्व मंत्री प्रभारी आरके चौधरी

ने बाराबंकी जनपद में चल रहे सदस्यता अभियान में प्रकाश डालते हुए कहा कि जनपद में सभी क्षेत्रों में सपा से जुड़कर सदस्यता ले रहे हैं। आर के चौधरी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि वह सरकार को उखाड़ फेंकने में सहयोग करें। महिला सभा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती जूही सिंह ने उपस्थित महिलाओं से समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेकर संघर्ष का आवाहन करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं महिलाओं पर अत्याचार दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं भाजपा का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा सर्वथा खोखला साबित हो रहा है। कार्यक्रम आयोजक पूर्व मंत्री व क्षेत्रीय विधायक फरीद महफूज किदवई ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता ने उन्हें जो सम्मान दिया है उसको बरकरार रखने की भरसक कोशिश करेंगे। सपा मुखिया अखिलेश यादव की नीतियों की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ही देश व प्रदेश में खुशहाली ला सकती है। सपा नेता अमित सिंह के संचालन में इस सदस्यता कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में जैदपुर विधायक गौरव रावत, पूर्व विधायिका राजलक्ष्मी वर्मा, ब्लाक प्रमुख रेनू वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रेया वर्मा, सपा नेता फैजान किदवई, उपाध्यक्ष सरताज चौधरी, मो सबाह, पूर्व प्रमुख राजन सिंह,लल्लू सिंह,विधानसभा अध्यक्ष अतीक चौधरी, पारस चौहान, सदस्य जिला पंचायत विजय यादव, इन्तखाब आलम, नोमानी हाजी दरगा, पप्पू बनर्की, नसीम गुड्डू, नबी हसन, वसीम खान, अखिलेश सिंह, मुरली वर्मा, रामबरन यादव, अनिल यादव, प्रधान अतुल वर्मा, निसार मेहंदी, सुहेल कटका, लल्लन वर्मा, खुशीराम गौतम आदि प्रमुख थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।